हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 145 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, शुक्रवार, 13 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 52.55 करोड़ की 26 विकास योजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

धनौल्टी–मोरियाणा–नागटिब्बा मोटर मार्ग को मंजूरी; बाढ़ सुरक्षा के लिए भी करोड़ों की घोषणा

टिहरी गढ़वाल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को थत्यूड़ में आयोजित नौवें जौनपुर महोत्सव एवं क्रीड़ा-सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए 52.55 करोड़ रुपये की 26 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 30.50 करोड़ रुपये से अधिक की 11 योजनाओं का लोकार्पण तथा 22.04 करोड़ रुपये से अधिक की 15 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणा थत्यूड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला चिकित्सालय के रूप में उच्चीकृत करने की रही। इसके अलावा धनौल्टी-मोरियाणा-नागटिब्बा मोटर मार्ग के



निर्माण को स्वीकृति देने तथा जौनपुर विकासखंड में पालीगाड़ से थत्यूड़ बाजार तक आबादी क्षेत्र की बाढ़ सुरक्षा के लिए 273 लाख रुपये और भवन बाजार के आबादी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 4.72 करोड़ रुपये की स्वीकृति देने की घोषणा की।

पर्यटन और स्वरोजगार को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि जौनपुर क्षेत्र की लोक संस्कृति, परंपराएं और लोककलाएं उत्तराखंड की विशिष्ट पहचान हैं। ऐसे महोत्सव नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने



के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोक संस्कृति के संरक्षण के साथ पर्यटन, कृषि, उद्यानिकी और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि टिहरी झील और आसपास के क्षेत्रों को लगभग 1300 करोड़ रुपये की लागत से विशेष पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। झील के चारों ओर रिंग रोड निर्माण के साथ कयाकिंग, कैनोइंग और पैराग्लाइडिंग जैसी साहसिक पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कद्दूखाल में आठ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पार्किंग का निर्माण भी कराया जा रहा है।

स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलायन रोकने के लिए पर्यटन, कृषि, उद्यानिकी और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से उत्तराखंड के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस ब्रांड की बिक्री छह करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य में रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है और 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं।

प्रगतिशील किसान और साहित्यकार को किया सम्मानित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ग्राम सभा साबली के प्रगतिशील किसान कबूल चंद पुंडीर के कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने सेब, अदरक, कीवी, केसर, पुष्प, आलू और रोजमैरी की खेती के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के प्रयासों को प्रेरणादायी बताया। वहीं, ग्राम सभा पापरा निवासी साहित्यकार देवेंद्र प्रसाद चमोली को गढ़वाली भाषा में रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों का अनुवाद कर लोकभाषा एवं साहित्य के संरक्षण में योगदान देने के लिए 'जौनपुर रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया।

दो तिहाई बहुमत के और करीब मोदी सरकार, डिलिमिटेशन बिल के लिए बुला सकती है संसद का विशेष सत्र

नई दिल्ली। मोदी सरकार डिलिमिटेशन बिल (परिसीमन बिल) के लिए जल्द ही संसद का स्पेशल सेशन (विशेष सत्र) बुला सकती है। अप्रैल महीने में पेश किया गया डिलिमिटेशन बिल संसद से पास नहीं हो सका था, जिससे एनडीए सरकार को झटका लगा था। लेकिन मई में पश्चिम बंगाल के आए चुनावी नतीजों के बाद एनडीए की ताकत बढ़ी है और संसद में वह दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार जल्द ही डिलिमिटेशन बिल पास करवाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। डिलिमिटेशन बिल पास करने के लिए सरकार को दो तिहाई बहुमत की जरूरत है। सूत्रों ने भरोसा जताया है कि सरकार 15 से 18



वोटों के अंतर से जीत जाएगी। सूत्रों ने कहा कि सरकार को जरूरी नंबर मिलने का भरोसा है, लेकिन उन्होंने प्रस्तावित सेशन की तारीखों या समय के बारे में नहीं बताया। इससे पहले, संसद का मॉनसून सत्र अगस्त के मध्य में खत्म हो गया था, लेकिन उसे अभी तक औपचारिक रूप से स्थगित नहीं किया गया है। इसको लेकर भी कांग्रेस समय-समय पर सवाल उठाती रही है कि इसे स्थगित क्यों नहीं किया गया, जबकि आमतौर पर ऐसा नहीं होता है। केंद्र सरकार ने अप्रैल महीने में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन डिलिमिटेशन) को लेकर संसद में तीन अहम विधेयक पेश किए थे। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक शामिल थे। सरकार का प्रस्ताव था कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 की जाए और राज्यों की विधानसभा सीटों में भी बदलाव किया जाए। इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाकर निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से निर्धारण करने की योजना थी। इस पूरी कवायद को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण लागू करने से भी जोड़ा गया था। 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन के बाद होना था।

घर में रखे सोने का हिसाब तो देना ही होगा... गोल्ड रखने की छूट पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली। सोने के लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा है कि सोना रखने की छूट के बावजूद आय का स्रोत बताना होगा. कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में ये कमेंट किया है. साथ ही पटना हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया है. जिसके बाद बिहार की महिला के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा फिर चलेगा. कोर्ट ने कहा कि सोना रखने की पात्रता और उसके स्रोत का हिसाब देना दोनों अलग-अलग बातें हैं. सुप्रीम कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि सोना रखने की निर्धारित सीमा के भीतर होने का मतलब ये नहीं है कि आरोपी को उसके स्रोत का हिसाब देने से छूट मिल जाएगी. कोर्ट ने कहा कि सोना रखने की अनुमति देने वाले सरकारी सर्कुलर और प्रेस रिलीज अपने आप में यह साबित नहीं



करते कि संबंधित संपत्ति वैध आय से अर्जित की गई है. जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की पीठ ने बिहार सरकार की अपील स्वीकार करते हुए पटना हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया.

हाईकोर्ट ने एक महिला के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में निचली अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान को निरस्त कर दिया था. मामले के मुताबिक, 11 मई 2015 को बिहार के निगरानी थाने में फूलपरी कुमारी और उनके पति के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी. जांच के बाद 29 जुलाई 2020 को केवल फूलपरी कुमारी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया. इसके बाद 28 जनवरी 2021 को पटना की विशेष निगरानी अदालत ने मामले में संज्ञान लिया. महिला ने पटना हाईकोर्ट में संज्ञान के आदेश को चुनौती दी थी.

टेक ऑफ के दौरान रनवे से फिसला विमान, सोलापुर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर एयरपोर्ट पर आज (गुरुवार, 12 नवंबर को) एक बड़ा हादसा टल गया, जब टेक-ऑफ के दौरान एक ट्रेनिंग विमान रनवे से फिसल गया। यह घटना तब हुई जब ट्रेनी पायलट विमान को टेक-ऑफ कराने की कोशिश कर रहा था, जिससे विमान रनवे से बाहर हो गया। इस घटना में पायलट को कोई चोट नहीं आई है। विमान में कितने लोग सवार थे, अभी यह पता नहीं चल पाया है। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में विमान आगे की ओर झुका हुआ दिखाई दे रहा है, जिसका अगला हिस्सा (नोज़) जमीन को छू रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये विमान



एक महिला ट्रेनी पायलट उड़ा रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब ट्रेनी पायलट उड़ान भरने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान, ट्रेनिंग विमान रनवे से भटक गया और रनवे की सतह से फिसल गया। उड़ान भरते समय विमान का नियंत्रण कैसे खो गया, इसके सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि, इस हादसे में गनीमत ये रही कि ट्रेनी पायलट को कोई चोट नहीं आई और किसी के हताहत होने की भी कोई खबर नहीं है। विमान को भी ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है और उसे अच्छी हालत में बताया जा रहा है।

पंजाब चुनाव: AAP ने जारी की 31 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट, जालंधर कैंट से दीपक बाली का नाम

चंडीगढ़। पंजाब की सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी (AAP) ने आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए आज (गुरुवार, 12 नवंबर को) अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में कुल 31 नामों को हरी झंडी दी गई है। नई दिल्ली में पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (PAC) की बैठक के बाद 31 उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई गई है। इस लिस्ट में गुरमीत सिंह मीत हेयर को बरनाला से जबकि दीपक बाली को जालंधर कैंट से टिकट दिया गया है। पार्टी ने इस लिस्ट में सांसद को भी उम्मीदवा बनाया है। मीत हेयर फिलहाल संगरूर लोकसभी सीट से सांसद हैं।

Sr. No.	AC No.	Assembly Constituency	Candidate Name
1	1	Ferozepur	Sarwan S. Marwa
2	4	Pathankot	Rahul Gul
3	6	Dera Baba Nanak	Ramesh Bedi
4	8	Abohar	Harvinder Singh
5	9	Zira	Gurjindar Singh Mahli
6	12	Fatehgarh Churian	Harbansjeet Singh Kulchauna (Dinan Kaselwal)
7	13	Rani Sarta	Ms. Sonia Maan
8	15	Majitha	Tehal Singh Gill
9	16	Ajnala	Karanail Singh Raina
10	23	Patti	Sukhwinder Singh (Lally From Patti)
11	26	Mashal	AvtarKrishan Singh
12	27	Gurdaspur	Davinder Pal Singh Bagga
13	29	Phagwara	Dr. Bal Karan Chabbewal
14	30	Phillaur	Ms. Rajyal Kaur Sekhon
15	33	Balachaur	Bhupinder Singh (Pinky Dhaliwal)
16	35	Anandpur Sahib	Ninu Kaka
17	36	Chamkaur Sahib	Vineet Dhot
18	37	S.A.S. Nagar	Deepak Bali
20	39	Nurpur Bedi	Sunder Singh Ludhi
21	41	Kharar	Prabhjot Singh Goldy
22	48	Sahnewal	Dr. KNS Kang
23	70	Jagraon	Ms. Suneet Kaur Mudher
24	81	Aulakh	Er. Sukhm Nhela
25	82	Ballewal	Amandeep Singh "Rocky" Wanshi
26	85	Lambi	Ranjodh Singh Bittu Dhaliwal
27	91	Budhlada Rural	Gopal Singh
28	100	Barnala	Harsimrat Singh Preet Bayer
29	117	Dhuri	Ms. Yuvinder Kaur Lawhira

Aam Aadmi Party
1, Pandit Ravi Shankar Shukla Lane, New Delhi, Delhi-110001
Phone: +91 9718500606, Email: delhi@aamaadmiparty.org

इस लिस्ट में पुराने चेहरों के साथ नए चेहरों को भी टिकट दिया गया है। पार्टी ने जालंधर सेंट्रल से नितिन कोहली, जालंधर नॉर्थ से वनीत धीर और जालंधर कैंट से दीपक बाली को टिकट दिया है। इनके अलावा पठानकोट से रोहित स्याल, सुजानपुर से सवरन एस सलारियो रो तो गुरदासपुर से रमण बहल को उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने चर्चित सीट मजीठा से तलबीर सिंह गिल को मैदान में उतारा है, जबकि अमृतसर उत्तर सीट सेकरमजीत सिंह रिंटू को टिकट दिया है।

पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करने के मामले में आम आदमी पार्टी बाकी सभी दलों के मुकाबले बढ़त बनाए हुए है। इससे पहले 'आप' ने 31 अक्टूबर को 40 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें सभी मौजूदा विधायकों को टिकट दिया गया था। अगले साल की शुरुआत में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करने के मामले में पार्टी दनादन फैसले ले रही है और राज्य में चुनावी माहौल बनाने में सबसे आगे बनी हुई है। सत्तारूढ़ दल चुनाव से काफी पहले अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में लापता दोनों पुलिस अधिकारियों के शव मिले, शरीर पर दिखे आतंकियों की क्रूरता के निशान

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दच्छन-मरवाह इलाके में गश्त के दौरान लापता हुए दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के गोलियों से छलनी शव ढारना पोस्ट से बरामद किए गए हैं. लापता होने की सूचना मिलने के बाद से ही पिछले कई घंटों से उनकी तलाश कर रही खोज टीम ने शव बरामद किए हैं. मृत एसपीओ की पहचान रशपाल कुमार (40) और बाबी चंद (54) के रूप में हुई है. आतंकियों की क्रूरता के निशान उनके शवों पर दिखाई दिए. एक एसपीओ के सिर में गोली लगी



थी, जबकि दूसरे की पीठ में. . ऐसा प्रतीत होता है कि इलाके में घात लगाकर बैठे आतंकवादियों ने उस समय गोलीबारी की जब दोनों अपने दो साथियों की जगह लेने के लिए ढारना पोस्ट की ओर जा रहे थे. उनके पास मौजूद ढ्ढह्लस्र और .303 राइफलें गायब हैं, ऐसा लगता है कि आतंकवादियों ने उनकी हत्या करने के बाद उनके हथियार छीन लिए. दोनों ही दच्छन के कियार गांव में स्थानीय पुलिस के स्पेशल समूह (स्हत्न) में तैनात थे. अधिकारियों के मुताबिक- दोनों एसपीओ कियार शिविर से ढारना-मारवाह स्थित सेना की एक चौकी के लिए रवाना हुए थे, लेकिन अपने स्थान तक नहीं पहुंचे. शुरुआती समय में उनके मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन उसके बाद दोनों नंबर बंद हो गए. जिससे उनके ठिकाने और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई. इसके बाद तुरंत ही पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया. सूत्रों के अनुसार, दिन के समय भी इलाके में गोलियों की आवाजें सुनी गई थीं.

अधिकारियों के मुताबिक- दोनों एसपीओ कियार शिविर से ढारना-मारवाह स्थित सेना की एक चौकी के लिए रवाना हुए थे, लेकिन अपने स्थान तक नहीं पहुंचे. शुरुआती समय में उनके मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन उसके बाद दोनों नंबर बंद हो गए. जिससे उनके ठिकाने और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई. इसके बाद तुरंत ही पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया गया था. जवानों के यूं गायब होने और उनके शव मिलने के बाद इस पहाड़ी जिले को लेकर फिर सवाल उठ रहे हैं, जो पिछले काफी समय से आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं का गवाह रहा है.

छात्रा से अनुचित व्यवहार का आरोप, जबरन छुट्टी पर भेजे गए DU के प्रोफेसर

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सत्यवती कॉलेज के एक प्रोफेसर को छात्रा के साथ कथित अनुचित व्यवहार करने की शिकायत मिलने के बाद जबरन छुट्टी पर भेज दिया गया है. कॉलेज के संकाय सदस्यों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. सदस्यों ने बताया कि शिकायत कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के पास भेज दी गई है. एक संकाय सदस्य ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'हमने जो सुना है, उसके मुताबिक आरोपी प्रोफेसर कॉलेज में उप-प्राचार्य के पद के लिए संभावित आवेदकों में



से एक थे.' फिलहाल मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रोफेसर पर यह एक्शन लिया गया. उन्होंने कहा, 'शिकायत सही है या नहीं, इसकी जांच निश्चित रूप से आईसीसी उचित समय पर करेगी, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने छात्रा को सआदत हसन मंटो की कुछ रचनाएं भेजी थीं, जो संभवतः किसी नियमित गतिविधि का हिस्सा हो सकता है. संकाय सदस्यों के मुताबिक, छात्रा ने कथित घटना के दो दिन बाद दो नवंबर को प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. मामले को लेकर सत्यवती कॉलेज के प्राचार्य सुभाष कुमार सिंह की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है.

सप्ताह भर बाद भी पकड़ में नहीं आया नरभक्षी गुलदार, सुई क्षेत्र में दहशत बरकरार

सामाजिक कार्यकर्ता सचिन जोशी ने डीएम और डीएफओ को ज्ञापन देकर गुलदार को मारने के आदेश की मांग की

जिला पंचायत सदस्य सुनीता जोशी के नेतृत्व में महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मांगी सुरक्षा



के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। निकटवर्ती सुई गांव में एक सप्ताह पहले 13 वर्षीय बच्चे को अपना शिकार बनाने वाला गुलदार अब तक पकड़ में नहीं आ सका है। इससे पूरे क्षेत्र में अघोषित कर्फ्यू जैसी स्थिति बनी हुई है। नरभक्षी गुलदार के खौफ में लोगों का दीपावली जैसा खुशियों का त्योहार भी डर के साये में बीता। अब भी हालात ऐसे हैं कि लोग अकेले आने-जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य सुनीता जोशी के नेतृत्व में महिलाओं ने मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों को पत्र भेजकर सुरक्षा की मांग की है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता सचिन जोशी ने गुरुवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार और प्रभागीय वनाधिकारी धिनो पुरुषोत्तमन को अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर नरभक्षी गुलदार को मारने के आदेश जारी करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि गुलदार के आतंक से क्षेत्र का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और लोग हर समय किसी अनहोनी की आशंका में जी रहे हैं। जिलाधिकारी और प्रभागीय वनाधिकारी ने अपने स्तर से आवश्यक कार्रवाई करने और उच्चाधिकारियों को स्थिति से अवगत कराने का आश्वासन दिया है।

ड्राइवर की बेटी शीतल बनेगी सेना अधिकारी, एनडीए में देशभर में हासिल किया 14वां स्थान

नेपाल सीमा से लगे बिलदे गांव की बेटी के घर पहुंचे डीएम, शीतल और माता-पिता का किया सम्मान

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, बोले – ऐसी सफलताएं राज्य के युवाओं को देती हैं नई प्रेरणा



बिलदे गांव पहुंचकर शीतल और उसके परिजनों को सम्मानित करते जिलाधिकारी मनीष कुमार।

के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, अवसर मिले तो वे भी खुले आसमान में ऊंची उड़ान भर सकती हैं। नेपाल सीमा से लगे बिलदे गांव के निजी वाहन चालक श्याम सिंह मेहता और उनकी पत्नी नंदा देवी ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी शीतल सेना अधिकारी बनकर देश की रक्षा पंक्ति को मजबूत करेगी। शीतल ने एनडीए की परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर 14वां स्थान प्राप्त कर यह सपना साकार कर दिखाया है।

'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' कहावत को चरितार्थ करती शीतल बचपन से ही मेधावी रही है। उसकी प्रतिभा को सरस्वती शिशु मंदिर पुलहिंडोला में तराशा गया। इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय चम्पावत में चयन हुआ, जहां से उसने 12वीं पास की। विद्यालय की हर प्रतियोगिता में वह अव्वल रही और प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन किया।

जिले का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं का लगातार हौसला बढ़ाते आ रहे जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बिलदे गांव पहुंचकर शीतल और उसके माता-पिता को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे होनहार बच्चों के माता-पिता का सम्मान करना हम सबके लिए गर्व की बात है। शीतल और उसके माता-पिता ने घर आए जिलाधिकारी का भावपूर्ण स्वागत करते हुए इसे कृष्ण-सुदामा मिलन जैसा संयोग बताया। शीतल ने कहा कि जिलाधिकारी हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए लोगों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करते हैं।

शीतल ने बताया कि भाई रोशन के आईटीबीपी में भर्ती होने और विद्यालय में एनसीसी कैडेट के रूप में मिले अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना ने उन्हें सेना में जाने के लिए प्रेरित किया। माता-पिता और भाई का आशीर्वाद उनके लिए जीवन ज्योति बना है। नवोदय विद्यालय के प्राचार्य केके तिवारी ने बताया कि शीतल ने हर क्षेत्र में विद्यालय को गौरवान्वित किया है और विद्यालय परिवार उसे समारोहपूर्वक सम्मानित करेगा। गृह क्षेत्र के सरस्वती शिशु मंदिर में शीतल का सार्वजनिक अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शीतल को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां राज्य के युवाओं को नई प्रेरणा देती हैं और इससे सबका मनोबल भी बढ़ता है। क्षेत्रीय विधायक कुशाल सिंह अधिकारी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सतीश चंद्र पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी सहित अनेक लोगों ने शीतल को बधाई दी है। उसके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

एक नजर

ज्ञान गोदड़ी के लिए जल्द भूमि आवंटित करे सरकार : रमणीक सिंह

कुंभ और चुनाव से पहले सिख समाज के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला लेने की मांग



के.के.पी संवाददाता/हरिद्वार। गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी के निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। समाजसेवी सरदार रमणीक सिंह ने प्रदेश सरकार से सिख समाज की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए गुरुद्वारा निर्माण के लिए जल्द से जल्द भूमि आवंटित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सिख समाज लंबे समय से ज्ञान गोदड़ी के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर संघर्षरत है और इस संबंध में वर्षों से धरना भी दिया जा रहा है। सरदार रमणीक सिंह ने कहा कि गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी सिख समाज की आस्था और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा विषय है। सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शासन-प्रशासन से मांग की कि गुरुद्वारा निर्माण के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं के तहत होटलों और अन्य संपत्तियों को पीपीपी मोड पर दिया जा रहा है। ऐसे में सिख समाज की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी के निर्माण के लिए भी भूमि उपलब्ध कराई जानी चाहिए। रमणीक सिंह ने कहा कि कुंभ मेले और आगामी चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सिख समाज के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी के निर्माण की घोषणा करनी चाहिए। इससे सिख समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और समाज सरकार का आभारी रहेगा।

अल्मोड़ा में शिखर होटल तिराहा-लक्ष्मेश्वर तिराहा रूट पर ई-रिक्शा संचालन को मिली अनुमति

के.के.पी संवाददाता/अल्मोड़ा। एडवोकेट कविंद्र पंत द्वारा लंबे समय से एक नए रूट शिखर होटल तिराहा-लक्ष्मेश्वर तिराहा रूट पर ई-रिक्शा संचालन के लिए प्रयास किया जा रहा था। इसके लिए उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी अल्मोड़ा, जिलाधिकारी अल्मोड़ा को ज्ञापन दिए थे, उनसे कई बार वार्ता भी की थी। साथ ही राज्य परिवहन आयुक्त, उत्तराखंड को भी पत्र भेजा था, उनसे फोन पर वार्ता भी की थी। इसके लिए सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर भी अनुरोध दर्ज कराया था व आरटीआई लगाकर भी प्रयास सुनिश्चित किया था।अब यह प्रयास सफल हुए हैं। शिखर होटल तिराहा-लक्ष्मेश्वर तिराहा रूट पर ई-रिक्शा संचालन के लिए राज्य परिवहन आयुक्त, उत्तराखंड ने अनुमति पत्र जारी कर दिया है। यह अनुमति पत्र राज्य परिवहन आयुक्त कार्यालय ने उनके लिए भी भेजा है, जो आज ही उन्हें प्राप्त हुआ है।धारानौला स्टेशन तक ई-रिक्शा संचालन के लिए पहले ही जनवरी 2025 में राज्य परिवहन आयुक्त, उत्तराखंड ने अनुमति पत्र जारी कर दिया था, जिसे लागू कराए जाने के लिए एडवोकेट कविंद्र पंत द्वारा जिलाधिकारी अल्मोड़ा को व उपजिलाधिकारी अल्मोड़ा को ज्ञापन दिए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन जनहित के इस महत्वपूर्ण विषय पर गंभीर होगा व यथाशीघ्र मीटिंग बुलाकर शिखर होटल तिराहा-लक्ष्मेश्वर तिराहा व शिखर होटल तिराहा-धारानौला स्टेशन रूट पर समय सारिणी व किराया निर्धारण कर इन दोनों व्यस्त महत्वपूर्ण रूटों पर शीघ्रातिशीघ्र आधिकारिक तौर पर ई-रिक्शा संचालन सुनिश्चित कराएगा।

चम्पावत को मिलेंगे स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थेटिस्ट, नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

'यू कोट-वी पे' मॉडल में चार लाख रुपये प्रतिमाह तक मानदेय, 17 नवंबर को होंगे साक्षात्कार

जिला चिकित्सालय चम्पावत और उप जिला चिकित्सालय टनकपुर में होगी तैनाती



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सीमांत जिले चम्पावत की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) उत्तराखंड के तहत विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार का प्रयास है कि पर्वतीय जिलों के अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हों, ताकि लोगों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े।

उत्तराखंड शासन द्वारा 1 नवंबर 2026 को जारी विज्ञापन के अनुसार चम्पावत जिले के लिए महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के एक पद पर नियुक्ति होगी, जिसकी तैनाती जिला चिकित्सालय चम्पावत या उप जिला चिकित्सालय टनकपुर में की जाएगी। इसके अलावा एनेस्थेटिस्ट (निश्चेतक) का एक पद उप जिला चिकित्सालय टनकपुर के लिए निर्धारित किया गया है, जिससे आपातकालीन और शल्य चिकित्सा सेवाएं सुचारु रहेंगी।

स्वास्थ्य विभाग ने अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए 'यू कोट-वी पे' मॉडल के तहत चार लाख रुपये प्रतिमाह तक आकर्षक मानदेय की व्यवस्था की है, ताकि सक्षम चिकित्सक पहाड़ में सेवा देने के लिए आगे आएं। इन पदों के लिए 17 नवंबर (मंगलवार) को साक्षात्कार होंगे।

स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थेटिस्ट की तैनाती से गर्भवती महिलाओं, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार मिलेगा तथा जिलेवासियों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए 'सांस' अभियान शुरू, सीएमओ ने किया पोस्टर विमोचन

तेज सांस, सीने का धंसना और लगातार खांसी को न करें नजरअंदाज – डॉ. देवेश चौहान

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य कर्मी, गांव-गांव फैलाएंगे जागरूकता



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। बच्चों को निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाने और इसके लक्षणों की समय पर पहचान के लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को जनपद में निमोनिया जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने 'सांस' (सोशल अवेयरनेस एंड एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया सक्सेसफुली) अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। पोस्टर के जरिए अभिभावकों और आमजन को बच्चों में निमोनिया के शुरुआती लक्षण पहचानने और तुरंत उपचार कराने का संदेश दिया गया है।

सीएमओ डॉ. देवेश चौहान ने कहा कि निमोनिया शिशुओं और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है, लेकिन समय रहते लक्षणों की पहचान और तुरंत चिकित्सकीय परामर्श से बच्चों को गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सकता है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों में तेज सांस चलना, सांस लेने में कठिनाई, सीने का धंसना और लगातार खांसी जैसे लक्षण दिखें तो लापरवाही न करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव पाण्डेय ने अभियान के उद्देश्यों और जनपद में होने वाली आगामी जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। सभी ब्लॉक चिकित्सा इकाइयों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक समन्वयक, एएनएम और सीएचओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अभियान से जुड़े, जिन्हें जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इन्द्रजीत पाण्डेय, दिनेश थ्वाल, संजय पाण्डेय, प्रेम भट्ट, जगदीश जोशी, सुनीता डसीला, पुनीता, मीनाक्षी जोशी, नीमा भट्ट, सपना फर्त्याल, मदन सिंह राणा और अनीता राय सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

वायु सेना में अग्निवीर बनने का मौका, 16 से 20 नवंबर तक टनकपुर क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों में पहुंचेगी टीम

वायुसैनिक चयन केंद्र नई दिल्ली की टीम युवाओं को देगी करियर की जानकारी, डीएम ने दिए सहयोग के निर्देश



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। भारतीय वायु सेना में अग्निवीर के रूप में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए टनकपुर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष प्रचार अभियान चलाया जाएगा। अग्निपथ भर्ती योजना के तहत वायुसैनिक चयन केंद्र नई दिल्ली की टीमें 16 से 20 नवंबर 2026 तक क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों का दौरा करेंगी। जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी कमल चंद्र तिवारी ने बताया कि वायुसैनिक चयन केंद्र के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कक्षा 10 से 12 तक के युवाओं को भारतीय वायु सेना में करियर के अवसरों की जानकारी देना और उन्हें आगे की पढ़ाई व करियर के लिए प्रेरित करना है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान वायुसैनिक चयन केंद्र की टीम को स्थानीय स्तर पर हर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। प्रशासन ने सभी विभागों से समय पर जरूरी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि टनकपुर क्षेत्र के अधिक से अधिक युवा इस अवसर का लाभ उठाकर वायु सेना में सेवा देने के लिए प्रेरित हो सकें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी धोनी की 96वी पुण्य तिथि मनाई गई धोनी की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने के होंगे हर संभव प्रयास



के.के.पी संवाददाता

पिलखवाल । अल्मोड़ा प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वह देश को जै हिंद का नारा देने वाले क्रांति दूत स्वर्गीय राम सिंह धोनी की यहां जिला पंचायत परिसर में 96 पुण्यतिथि मनाई गई इस मौके पर उपस्थित लोगों ने धौनी स्वर्ग की आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की सालम समिति के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता गोबिंद लाल वर्मा की अध्यक्षता व समिति के अध्यक्ष राजेंद्र रावत के संचालन में हुई समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दर्ज राज मंत्री गोविंद सिंह पिलख्वाल ने धौनी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समिति की मांग के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम सिंह धोनी की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने फ्रूट क्राफ्ट संस्थान का नाम धोनी के नाम से रखे जाने पौधा मोटर मार्ग का नाम राम सिंह सिंह धोनी मोटर मार्ग रखे जाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा सह मुख्य अतिथि पूर्व पालिका अध्यक्ष प्रकाश जोशी ने कहा कि 24 फरवरी 1893 को सालम के विनोला गांव में जन्मे राम सिंह धोनी ने देश की आजादी में जो अलख जगह उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता उन्होंने धोनी की जीवनी से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया की 12 नवंबर 1930 को चेचक की चपेट में आने से मुंबई में उनका निधन हो गया मुंबई में आज भी उनके नाम से कई संस्थाएं कार्य कर रहे हैं विशिष्ट अतिथि उपपा के केंद्रीय संयोजक एडवोकेट पीसी तिवारी ने कहा कि आज यदि धोनी जिंदा होते तो देश की तस्वीर कुछ और होती उन्होंने बेरोजगारी महंगाई जल जंगल जमीन के मुद्दे उठाते हुए सरकार से जन भावनाओं का सम्मान करने की अपील की सालम समिति के तत्वाधान में आयोजित समारोह में समिति के वरिष्ठ उपाध्याय इंजीनियर गोपाल सिंह मेहरा , पूर्व तहसीलदार लोकमणि भट्ट ,सचिव अमरनाथ रजवार, विनोद जोशी प्रदीप बिष्ट, पूर्व कर्मचारी नेता चंद्रमणि भट्ट ,शिक्षविद चंद्रशेखर बन कोठी ,लक्ष्मण सिंह ऐठानी, प्रोफेसर एस एस पथनी,डॉक्टर हयात सिंह रावत ,अर्बन बैंक के पूर्व अध्यक्ष आनंद सिंह बगड़वाल पूर्व स्वास्थ्य निदेशक डॉ जे सी दुर्ग पाल ,बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश मल्होत्रा रेड क्रॉस के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज संनवाल,जगजीवन बिष्ट ,हयात सिंह बिष्ट,पूर्व प्रधानाचार्य गोपाल सिंह गैंडा ,राजू पांडे ,गणेश सिंह बिष्ट उक्रांद के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवराज बनोला ,दयानंद कठैत सहित कई पत्रकार व विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने विचार व्यक्त किया और श्रद्धांजलि अर्पित की श्रद्धांजलि अर्पित की।

कण्डारकुवा में कांग्रेस को मिली बड़ी मजबूती, भाजपा और यूकेडी छोड़ दर्जनों लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ

बूथ कमेटी की बैठक में उमड़ा जनसैलाब, कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने दिलाई सदस्यता

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। कण्डारकुवा में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से बूथ कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों तथा बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान कांग्रेस के प्रति लोगों में बढ़ते विश्वास और उत्साह का परिचय उस समय देखने को मिला, जब भारतीय जनता पार्टी एवं उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) को छोड़कर लगभग दर्जनों लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सभी नए सदस्यों को कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने पार्टी की सदस्यता दिलाई और कांग्रेस परिवार में उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का कांग्रेस से जुड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदेश की जनता अब भाजपा सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से निराश हो चुकी है तथा कांग्रेस की विचारधारा और



जनहित की राजनीति में अपना विश्वास जता रही है।

भोज ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पलायन और किसानों की समस्याओं ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और पहाड़ की जनता लगातार अपनी मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। सरकार की घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं, जबकि धरातल पर जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला और समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ती आई है। कांग्रेस का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना मात्र नहीं, बल्कि जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना है। जिलाध्यक्ष ने नवनियुक्त सदस्यों से आह्वान किया कि वे कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव तथा घर-घर तक पहुंचाएं। बूथ कमेटियों को मजबूत बनाकर संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करें, ताकि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा जिले की प्रत्येक विधानसभा और प्रत्येक बूथ पर कांग्रेस संगठन को मजबूत किया जा रहा है। पार्टी में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान और जिम्मेदारी दी जाएगी। नए साथियों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

बैठक में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी संगठन विस्तार और आगामी चुनाव की रणनीति पर अपने विचार रखे। सभी ने एकजुट होकर कांग्रेस की मजबूती के लिए कार्य करने तथा जनसमस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करने का संकल्प लिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि जनता का यह समर्थन आने वाले समय में उत्तराखंड में बदलाव की मजबूत शुरुआत साबित होगा। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त जनता अब बदलाव चाहती है और कांग्रेस जनता की इस उम्मीद पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। कार्यक्रम मे राजेंद्र बराकोटी, जिला पंचायत सदस्य निशा कनवाल, अमरजीत भाकुनी, गोपाल कनवाल, गजेंद्र फर्तियाल, रमेश भंडारी, महेंद्र फर्तियाल, राम सिंह परिहार, देवेंद्र बिष्ट, त्रिलोक सिंह सुन्दर लाल, गीता गोस्वामी, नरेंद्र बिष्ट, देब सिंह कनवाल सहित सेकड़ो लोग शामिल रहे

स्वतंत्रता सेनानी राम सिंह धौनी की पुण्यतिथि पर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि, पौधार मार्ग और टैक्सी स्टैंड का नाम उनके नाम पर रखने की मांग



के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाने व देश को सर्वप्रथम 'जै हिंद' का नारा देने वाले स्वतंत्रता सेनानी राम सिंह धौनी को उनकी पुण्य तिथि पर राम सिंह धौनी ट्रस्ट की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सिकुड़ा बैंड तिराहे पर राम सिंह धौनी पार्क में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि राम सिंह धौनी ने देश को स्वतंत्र कराने में कई बार भूमिगत रहकर भी आजादी की अलख जगाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उन्होंने 'शक्ति' अखबार का सफल संपादन किया।ट्रस्ट के सचिव व स्व. धौनी के पौत्र भूपेंद्र नेगी ने उनकी आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। ट्रस्ट ने पौधार मार्ग को राम सिंह धौनी मार्ग का नाम देने की अपील की और सरकार व प्रशासन से पार्क के सामने स्थित टैक्सी स्टैंड का नाम राम सिंह धौनी टैक्सी स्टैंड रखने की मांग की। इस मौके पर गोपाल सिंह नयाल, बसंत तिवारी, हीरा सिंह बिष्ट, पंकज टम्टा, भगवती परिहार, सुनीता बिष्ट, हरिता नेगी, दीवान सिंह बिष्ट, देव सिंह, भूपेंद्र नेगी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

भाई दूज मनाकर लौट रहे मां-बेटी समेत तीन की दर्दनाक मौत, 400 फीट गहरी खाई में समाई मैक्स

घर से महज एक किलोमीटर पहले काल बनकर आई दुर्घटना, एकांत में होने के कारण रातभर किसी को नहीं लगी हादसे की भनक, सुबह ग्रामीणों को मिली घटना की जानकारी ; हरड़ा गांव में मचा कोहराम

के.के.पी संवाददाता

धौलछीना (अल्मोड़ा)। विकासखंड भैंसियाछाना के दूरस्थ गांव हरड़ा में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। भाई दूज का त्योहार मनाकर पिथौरागढ़ के पाली गांव से वापस लौट रही मैक्स जीप हरड़ा गांव से करीब एक किलोमीटर आगे अनियंत्रित होकर लगभग 400 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में हरड़ा निवासी बसंती गैड़ा (48) पत्नी हिम्मत सिंह गैड़ा, उनकी 15 वर्षीय पुत्री अंजली गैड़ा तथा वाहन चालक हयात सिंह(सूरज) गैड़ा (28) पुत्र स्व. शेर सिंह निवासी न्योली हरड़ा की दर्दनाक मौत हो गई।जानकारी के



अनुसार बुधवार सुबह हरड़ा गांव की बसंती गैड़ा अपनी पुत्री अंजली और गांव की अन्य महिलाओं के साथ भाई दूज का त्योहार मनाने पिथौरागढ़ के पाली गांव गई थीं। दिनभर भाइयों के साथ त्योहार मनाने के बाद सभी देर शाम मैक्स वाहन से वापस लौट रहे थे। हरड़ा गांव पहुंचने से करीब एक किलोमीटर पहले वाहन में सवार अन्य महिलाएं अपने गांव में उतर गईं। जबकि बसंती गैड़ा, उनकी पुत्री अंजली और वाहन चालक हयात सिंह को न्योली की ओर जाना था। इसी दौरान हरड़ा से लगभग एक किलोमीटर आगे वाहन अचानक दुर्घटनाग्रस्त होकर करीब 400 फीट गहरी खाई में जा गिरा।हादसा इतना भयावह था कि वाहन के गहरी खाई में गिरने के बाद घटनास्थल की एकांत स्थिति के चलते रातभर किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब ग्रामीणों को दुर्घटना की जानकारी मिली तो गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्राम प्रधान जितेंद्र रावत ने तत्काल धौलछीना पुलिस और 108 आपातकालीन सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से खाई में उतरकर तीनों शवों को बाहर निकाला। हालांकि तब तक तीनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। इस हादसे ने एक ही परिवार की खुशियां पूरी तरह उजाड़ दीं। बसंती गैड़ा अपने भाइयों से भाई दूज का त्योहार मनाकर बेटी के साथ घर लौट रही थीं। घर से महज एक किलोमीटर पहले ही मां-बेटी की जिंदगी का सफर थम गया। बसंती के पति हिम्मत सिंह बीमार रहते हैं। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा चंदन सिंह उदयपुर के एक होटल में निजी नौकरी करता है, जबकि 17 वर्षीय छोटा बेटा मोहन सिंह घर पर ही रहता है। अंजली राजकीय इंटर कॉलेज नैनी चौगर्खा में कक्षा नौ की छात्रा थी। जिस घर में मां-बेटी के लौटने का इंतजार हो रहा था, वहां सुबह उनकी मौत की खबर पहुंची। एक साथ मां और बहन को खोने वाले 17 वर्षीय मोहन सिंह और बीमार पिता हिम्मत सिंह पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी, 10 राज्यों में बारिश का अलर्ट... दिल्ली-यूपी में बढ़ेगी ठंड और प्रदूषण



नई दिल्ली। देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 नवंबर के लिए देश के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में ठंड के साथ प्रदूषण लोगों की परेशानी बढ़ा सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम ठंड का असर बढ़ेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। सुबह धुंध और हल्का कोहरा देखने को मिलेगा। अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। आईआईटी दिल्ली में एक्यूआई 416 और आईटीओ में 399 दर्ज किया गया है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज और कुपवाड़ा के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है। जोजिला दर्रे पर बर्फ जमने के कारण श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रोक दिया गया है। 13 नवंबर को मैदानी इलाकों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी बारिश, बर्फबारी और बिजली गिरने की आशंका है। पंजाब के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। राजस्थान में 14 और 15 नवंबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में 13 नवंबर को मौसम शुष्क रहेगा। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बारिश और गरज-चमक की संभावना है।

हल्द्वानी में पहली बार गूंजेगा 'युवा उत्सव भजन क्लबिंग' का स्वर

14 नवंबर को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में होगा भव्य आयोजन, युवाओं को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और स्वामी विवेकानंद के विचारों से जोड़ने की पहल

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। युवाओं को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से हल्द्वानी में पहली बार 'युवा उत्सव भजन क्लबिंग' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। आगामी 14 नवंबर को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम को लेकर नगर निगम सभागार में महापौर श्री गजराज सिंह बिष्ट एवं आयोजक संस्था श्री दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में SAM की निदेशक साध्वी डॉ.



शिवानी भारती एवं दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के स्वामी उमेशानंद जी भी उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन पारंपरिक भक्ति संगीत को आधुनिक संगीत शैली के साथ प्रस्तुत करने का अभिनव प्रयास है। इसके माध्यम से युवाओं को आध्यात्मिकता से जोड़ते हुए भारतीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और जीवन मूल्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर महापौर श्री गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति और राष्ट्र परिवर्तन के प्रमुख वाहक हैं। आज आवश्यकता है कि युवा आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, आध्यात्मिक चेतना और गौरवशाली परंपराओं से भी जुड़े रहें। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास, साहस, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा का जो मंत्र दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा कि किसी भी सशक्त राष्ट्र की नींव उसकी युवा पीढ़ी के चरित्र, संस्कार और विचारों में निहित होती है। 'युवा उत्सव भजन क्लबिंग' जैसे आयोजन युवाओं को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने के साथ भारतीय संस्कृति और आधुनिक पीढ़ी के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करेंगे।

महापौर ने कहा कि विकसित भारत@2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं का ऊर्जावान होने के साथ संस्कारित, आत्मविश्वासी और राष्ट्र के प्रति समर्पित होना भी आवश्यक है।

लालकुआं में विवाद के बाद समझौता, सफाई और स्ट्रीट लाइटें बहाल होने की उम्मीद

के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। नगर में ओवरलोड और ओवरहाइट वाहनों के आवागमन को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी और लालकुआं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह राणा के बीच चल रहे विवाद का आखिरकार समझौता हो गया। नगर पंचायत कार्यालय के समक्ष दिनभर चले धरना-प्रदर्शन और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ करीब दो घंटे से अधिक समय तक चली समझौता वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बन गई।

पुलिस अधिकारियों द्वारा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ विभागीय जांच कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद नगर



पंचायत अध्यक्ष ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी।

विवाद की शुरुआत लालकुआं चौराहे के पास पराल से लदी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होने के बाद हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष का आरोप था कि घटना की सूचना देने के बावजूद पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची, जबकि कोतवाली प्रभारी का पक्ष था कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए वाहनों को रवाना किया गया और एक वाहन सीज किया गया।

इस घटना के बाद अध्यक्ष ने कोतवाली प्रभारी पर अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की का आरोप लगाते हुए उनके स्थानांतरण की मांग की। वे समर्थकों, पूर्व सैनिकों और सभासदों के साथ कोतवाली परिसर में धरने पर बैठ गए। गुरुवार सुबह नगर पंचायत अध्यक्ष, सभासदों, कर्मचारियों और नगर के तमाम लोगों ने नगर पंचायत कार्यालय के समक्ष धरना शुरू कर दिया। धरने में पूर्व सैनिक संगठन सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने भी समर्थन दिया। सुबह से शुरू हुआ विरोध-प्रदर्शन दोपहर बाद तक जारी रहा। विवाद तेज होते ही नगर पंचायत कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार का ऐलान किया। इसके चलते 11 नवंबर की शाम से शहर की स्ट्रीट लाइटें बंद हो गईं, जबकि 12 नवंबर को कई स्थानों पर कूड़े का निस्तारण नहीं हो सका। अंधेरे और गंदगी से नागरिकों को परेशानी हुई तथा सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई।

व्यापारी आयोग बने, ऑनलाइन शॉपिंग पर लगे रोक : रविंद्र पुरी

कुंभ मंथन में व्यापारियों ने उठाई मांग, संतों ने कहा- व्यापारियों की भागीदारी से ही भव्य और दिव्य होगा कुंभ

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। कुंभ 2027 की तैयारियों के बीच व्यापारियों ने अब अपने हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है। गुरुवार को रानीपुर मोड़ स्थित होटल में राष्ट्रीय व्यापार मंडल की ओर से शपथ समारोह एवं कुंभ मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें व्यापारी आयोग के गठन, ऑनलाइन शॉपिंग पर रोक और कुंभ की सभी व्यवस्थाओं को स्थायी करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। कार्यक्रम में संतों और व्यापारियों ने आगामी कुंभ को भव्य और दिव्य बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि जब समाज के सभी वर्गों के लिए अलग-अलग आयोग हैं तो



व्यापारियों के हितों के लिए भी व्यापारी आयोग का गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में कुंभ से जुड़ी व्यवस्थाएं स्थायी और मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने संत समाज से भी हरिद्वार की धरती से सनातन का बड़ा संदेश देने का आह्वान किया। श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने भव्य और दिव्य कुंभ के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई और आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक स्वामी करौली शंकर महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार सनातन और संस्कृति के हित में कार्य कर रहे हैं। दोनों के नेतृत्व में आगामी कुंभ को भव्य और दिव्य बनाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय व्यापार मंडल की ओर से आयोजित कुंभ मंथन में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई और सरकार की ओर से किए जा रहे कुंभ कार्यों को भी जनता के सामने लाया गया। व्यापारी आयोग की मांग को उन्होंने पूरी तरह जायज बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत साधु समाज महंत ऋषिश्वरानंद ने कहा कि आगामी कुंभ ऐतिहासिक होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड अपनी देवभूमि की पहचान को और मजबूत कर रहा है। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं को लगातार उठाने के लिए राष्ट्रीय व्यापार मंडल की सराहना की।

प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि व्यापारियों के लिए आयोग का गठन होना चाहिए। ऑनलाइन शॉपिंग पर रोक लगाए बिना छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारियों को राहत नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुंभ की तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उनकी मेहनत से कुंभ भव्यता और दिव्यता के नए मापदंड स्थापित करेगा।

नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष मनोज गौतम ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी और कोर कमेटी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। सभी वर्गों के व्यापारियों को साथ लेकर संगठन को मजबूत किया जाएगा।

इस अवसर पर योगी आशुतोष, प्रदेश महामंत्री सुधीश श्रोत्रिय, जिला महामंत्री भारत तलूजा, उपाध्यक्ष अशोक गिरी, ज्वालापुर शहर अध्यक्ष हरविंदर सिंह, कनखल शहर अध्यक्ष पंकज सन्नी, जिला युवा अध्यक्ष गौरव पाल, पुल जटवाड़ा अध्यक्ष अनिल तेश्वर, स्नेहलता चौहान, पिंकी त्यागी, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जसबीर बसेड़ा, पुष्पेंद्र गुप्ता, व्यापारी नेता नरेंद्र चौहान, शहर महामंत्री आशीष अग्रवाल, विनोद मिश्रा, मिलन सैनी, प्रमोद यादव, प्रवीण सक्सेना समेत सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

पंजाब कांग्रेस की अलग-अलग यात्राओं से बढ़ सकती है मुश्किल, एकजुटता के दावे पर उठे सवाल

चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी सरकार को घेरने और जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कई यात्राओं और अभियानों की तैयारी की है। लेकिन पार्टी की यह रणनीति फायदे के बजाय नुकसान पहुंचाती नजर आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की साइकिल यात्रा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह के नेतृत्व में शुरू हुए पंजाब मांगदा इंसाफ अभियान ने पार्टी के भीतर गुटबाजी और आपसी तालमेल की कमी को फिर चर्चा में ला दिया है।

दरअसल, बुधवार को कांग्रेस के पंजाब मांगदा इंसाफ अभियान की शुरुआत के दौरान कई बड़े नेताओं की गैरमौजूदगी ने सवाल खड़े किए। इस कार्यक्रम में चरणजीत सिंह चन्नी, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और सुखजिंदर सिंह रंधावा जैसे वरिष्ठ नेता शामिल नहीं हुए।



वहीं, अभियान में कार्यकर्ताओं की अपेक्षाकृत कम मौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी। दूसरी ओर, चन्नी 12 नवंबर से जवानी संभाल साइकिल यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। इस यात्रा के पहले चरण में 28 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने की योजना है। चन्नी का कहना है कि यह कोई अलग कार्यक्रम नहीं, बल्कि पार्टी के व्यापक अभियान का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वरिष्ठ नेता अलग-अलग क्षेत्रों में जनता के बीच जाएंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस की इन अलग-अलग यात्राओं पर तंज कसते हुए कहा कि नेताओं ने चन्नी की साइकिल की चेन पहले ही उतार दी है। वहीं, बीजेपी नेता सुनील जाखड़ ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए साइकिल के टायर पंचर होने की टिप्पणी की।

कांग्रेस ने एकजुटता का दावा किया है, लेकिन नेताओं के अलग-अलग कार्यक्रम और पुरानी गुटबाजी 2027 के चुनाव से पहले पार्टी के लिए चुनौती बन सकती है।

नैनी सैनी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण एवं उन्नयन की दिशा में पहल तेज, जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

के.के.पी संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला कार्यालय में जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में नैनी सैनी एयरपोर्ट पिथौरागढ़ के विस्तारीकरण एवं उन्नयन की संभावनाओं को लेकर संबंधित विभागों एवं एयरपोर्ट विस्तारीकरण से जुड़े समस्त स्टेकहोल्डर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को एयर ट्रैफिक पोटेंशियल (Air Traffic Potential) रिपोर्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने उक्त रिपोर्ट को आवश्यक कार्यवाही हेतु उच्च स्तर पर प्रेषित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि नैनी सैनी एयरपोर्ट को वर्तमान 2C श्रेणी से उन्नत कर 3ष्ट श्रेणी में



विकसित किए जाने की योजना है। इस संबंध में एयरपोर्ट विस्तारीकरण की व्यवहार्यता (Feasibility), संभावित आवश्यकताओं एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को एयरपोर्ट विस्तारीकरण से जुड़े सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट (Social Impact Assessment) सहित अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समग्र रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना से संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं एवं औपचारिकताओं को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए, ताकि परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण के संबंध में नियमित फॉलोअप करते हुए ठोस परिणाम सुनिश्चित किए जाएं तथा सभी आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाए।

उन्होंने कहा कि नैनी सैनी एयरपोर्ट का उन्नयन जनपद में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा क्षेत्रीय विकास की संभावनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह सहित एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन शिक्षा में गेम-बेस्ड लर्निंग पर संगोष्ठी आयोजित

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (UCOST), देहरादून के वित्तीय सहयोग से संचालित शोध परियोजना 'ऑनलाइन शिक्षा में सहभागिता एवं सीखने की निरंतरता बढ़ाने के लिए गेम-बेस्ड लर्निंग (GBL)' के अंतर्गत 'ऑनलाइन शिक्षा के लिए गेम-बेस्ड लर्निंग' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक रोचक, सहभागितापूर्ण एवं प्रभावी बनाने में गेम-बेस्ड लर्निंग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना था।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. जितेन्द्र पांडे ने किया। उद्घाटन सत्र में प्रो. जितेन्द्र पांडे ने अपने



संबोधन में गेम-बेस्ड लर्निंग की अवधारणा एवं अर्थ को स्पष्ट किया। उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गेम-बेस्ड लर्निंग के विकास एवं अनुसंधान की दिशा में की जा रही पहल की जानकारी देते हुए बताया कि इस तकनीक के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन प्रक्रिया को अधिक संवादात्मक, रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (UCOST) के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय के साथ विकसित होना तथा नई तकनीकों को अपनाना विश्वविद्यालय की सक्रिय कार्यशैली का हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षण-अधिगम कौशल का विकास तकनीक के साथ समन्वय स्थापित करते हुए किया जाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि शिक्षण पद्धतियों में निरंतर बदलाव और नवाचार विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने चीन में अपने पूर्व अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि संस्कृत भाषा में भावनाओं को समझाने के लिए उन्होंने इमोजी का प्रयोग किया था, जो एक सफल प्रयोग रहा।

संपादकीय

सोनिया गांधी की किताब- घर-घर की कहानी

सोनिया गांधी की पुस्तक बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व की आत्मकथा या जीवन यात्रा नहीं है। इसमें भारतीय परिवारों, रिश्तों, पारिवारिक संघर्षों, महत्वाकांक्षाओं, त्याग और जिम्मेदारियों की ऐसी कहानियां समाहित हैं, जिनसे देश-दुनिया के करोड़ों परिवार अपने आपको जोड़कर देख सकते हैं। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है, एक विदेशी मूल की महिला ने भारतीय परिवार और राजनीति के भीतर अपने अनुभवों को जिस बेबाकी, गंभीरता और समझदारी के साथ प्रस्तुत किया है, वह प्रशंसनीय है। सोनिया गांधी का जन्म इटली में हुआ। उनकी शिक्षा-दीक्षा यूरोपीय वातावरण में हुई। उन्होंने अपने जीवन के लिए एक अलग सपना देखा था। प्रेम किया, विवाह किया और एक सामान्य पारिवारिक जीवन बिताने की कल्पना की। नियति ने उनके सामने ऐसी परिस्थितियां खड़ी कर दीं, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। भारत के प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार की बहू बनने के बाद उनका जीवन लगातार बदलता चला गया। देवर संजय गांधी की मौत, सास इंदिरा गांधी की हत्या, पति राजीव गांधी की असामयिक मृत्यु उन्हें अपनी युवावस्था में ही देखना पड़ा। उसके बाद परिवार तथा राजनीति की जिम्मेदारियों ने उनके जीवन में समय के साथ भारी बदलाव हुए। समय के साथ उन्होंने सारी जिम्मेदारियों को पूरा करने की हर संभव कोशिश की, यही उनकी सबसे बड़ी विशेषता है।

संजय गांधी की मृत्यु के बाद गांधी परिवार के राजनीतिक और पारिवारिक समीकरण जिस तरह से बदले, परिवार के भीतर नई परिस्थितियां पैदा हुईं। जेठानी, देवरानी, बच्चों, रिश्तेदारों और राजनीतिक सहयोगियों के साथ संबंधों को संभालना आसान नहीं था। इसके बावजूद सोनिया गांधी ने परिवार की प्रतिष्ठा, सार्वजनिक जीवन की मर्यादा और अपने व्यक्तिगत दायित्वों के बीच नेहरू गांधी परिवार के गौरव के साथ संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया। यही इस पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। भारतीय समाज में संयुक्त परिवारों के भीतर संपत्ति, अधिकार, पद, प्रतिष्ठा और जिम्मेदारियों को लेकर अक्सर विवाद होते हैं। कारोबार करने वाले परिवारों से लेकर राजनीतिक घरानों तक, सत्ता और उत्तराधिकार की खींचतान कोई नई बात नहीं है। सोनिया गांधी की जीवन यात्रा इन परिस्थितियों को समझने का एक अलग दृष्टिकोण और वास्तविक सत्य है। यह पुस्तक बताती है, परिवार को एकजुट रखना केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि धैर्य, त्याग, विश्वास और समझदारी से संभव है। सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय वर्ष 2004 में सामने आया, जब कांग्रेस संसदीय दल ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए अपना नेता चुना। उनके पास प्रधानमंत्री बनने का अवसर था। तमाम दबाव के बाद भी उन्होंने प्रधानमंत्री का पद स्वीकार नहीं किया। डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया। यह फैसला भारतीय राजनीति के साथ-साथ सारी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके बाद यूपीए अध्यक्ष के रूप में दस वर्षों तक गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच समन्वय बनाए रखने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी प्रधानमंत्री का पद अपने पास रखने की कभी महत्वाकांक्षा नहीं दिखाई।

इस पुस्तक के माध्यम से सोनिया गांधी एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई हैं, जिसने परिस्थितियों के अनुसार अपनी सोच बदली, जिम्मेदारियों तथा चुनौतियों को स्वीकार किया। भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं के बीच अपनी पहचान बनाई। भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों, धार्मिक विविधता, धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति उनका दृष्टिकोण इस यात्रा का विवरण इस पुस्तक का महत्वपूर्ण हिस्सा है। निश्चित रूप से यह पुस्तक केवल सोनिया गांधी के जीवन का दस्तावेज नहीं है।

महाराष्ट्र में सूखे की मार झेलता किसान, आखिर कब बदलेगी खेती की तस्वीर?

सौरभ वार्ष्णेय

जल संकट, अनिश्चित मानसून, घटता भूजल, खेती की बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों की चुनौतियों के बीच महाराष्ट्र का किसान आखिर कब तक सूखे से लड़ता रहेगा? महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल है, जिनकी पहचान औद्योगिक विकास, व्यापार, वित्तीय गतिविधियों और कृषि उत्पादन के लिए रही है। मुंबई देश की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, पुणे आईटी और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन चुका है तथा राज्य के अनेक जिलों में कृषि और सहकारी संस्थाओं का व्यापक नेटवर्क है। इसके बावजूद महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां किसान कभी कम बारिश तो कभी बेमौसम बारिश, कभी जलाशयों में पानी की कमी तो कभी फसल की लागत और बाजार भाव की मार झेलने को मजबूर है। सवाल यह है कि आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महाराष्ट्र का किसान आज भी पानी के लिए आसमान की ओर क्यों देख रहा है?

महाराष्ट्र में सूखे की समस्या केवल एक साल की मौसमी परेशानी नहीं है, बल्कि यह वर्षों से चली आ रही संरचनात्मक समस्या है। राज्य के मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से बार-बार पानी की कमी का सामना करते हैं। हर साल मानसून से उम्मीदें जुड़ती हैं, लेकिन बारिश का असमान वितरण किसानों की मुश्किलें बढ़ा देता है। कहीं सामान्य से कम बारिश होती है तो कहीं कुछ ही दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो जाती है कि खेतों की मिट्टी और खड़ी फसल दोनों को नुकसान पहुंचता है। यानी किसान के सामने संकट केवल बारिश की कमी का नहीं, बल्कि बारिश के अनिश्चित और असंतुलित स्वरूप का भी है।

महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी इस संकट को गंभीर बनाती हैं। सरकारी जल संसाधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य का लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र सूखा प्रभावित है। राज्य में वर्षा का वितरण 400 से 6,000 मिलीमीटर तक अलग-अलग है और अधिकांश बारिश जून से सितंबर के चार महीनों में होती है। मराठवाड़ा का बड़ा हिस्सा वर्षा छाया क्षेत्र में आता है, जहां औसत वार्षिक वर्षा लगभग 600 मिलीमीटर है। यहां बारिश की अनिश्चितता भी अधिक है।

इसके साथ भूजल की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास तंत्र के अनुसार राज्य के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग में कठोर चट्टानी संरचना है। ऐसी चट्टानों में भूजल का संचय और प्रवाह आसान नहीं होता। परिणामस्वरूप बारिश कम होने पर कुएं और बोरवेल तेजी से सूखने लगते हैं। किसान सिंचाई के लिए निजी बोरवेल पर निर्भर होता है और पानी की तलाश में अधिक गहराई तक खुदाई करवाता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जाती है। लेकिन केवल प्राकृतिक परिस्थितियों को दोष देकर सरकारी व्यवस्था और कृषि नियोजन की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में दशकों से सूखे की समस्या मौजूद है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में किसान मानसून आधारित खेती करने को विवश हैं। यदि हर साल सूखे की आशंका रहती है तो फिर जल संरक्षण, सिंचाई के वैकल्पिक साधन और फसल विविधीकरण को कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया?

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर, भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है

प्रहलाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रशन्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं।

11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - 'मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था।' स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि 'साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता। '

स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है।

'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम॥ '

अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की अनुभूति में था।

स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि 'भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है। सौभाग्य से भारत में सनातन काल से चलती आई परम्परा, जो अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों की प्रत्यक्ष अनुभूतियों से निरंतर स्पष्ट व पुष्ट होती आयी है, वह हमें बताती है कि सृष्टि की विविधता जितनी स्वाभाविक परंतु परिवर्तनशील है उतनी ही सम्पूर्ण अस्तित्व की एकता शाश्वत, अटल व अचल सत्य है। मनुष्य विचारशील प्राणी होने के नाते उस एकता को स्वयं में तथा जगत में अनुभव कर सकता है। यह करने से ही शाश्वत व नित्य सुख के खोज की जीवमात्र की यात्रा सफल व पूर्ण होती है। सभी विविधताओं को सम्मान देते हुए एवं स्वीकार करते हुए उनको संरक्षण देने का भारत का स्वभाव तथा जो परिवर्तनीय एवं/अथवा कालविसंगत है उसे बदलते रहने का लचीलापन इसी सनातन दृष्टि का परिणाम है। जब जब भारत के जनों में यह भाव सर्वोच्च रहा तब तब भारत विश्व का सभी दृष्टि से आदर्श राष्ट्र रहा। जब आत्मविस्मृति, विघटन व परस्पर सम्पर्क टूटने के कारण हम बलहीन, संकुचित, अहंकारी अथवा भयग्रस्त हो गए, हमने इस आचरण को त्याग दिया, तब हमारी दुर्गति हुई। '

डा भागवत जी आगे कहते हैं कि 'विश्व में भारत के प्रति एक कुतूहल जाग रहा है। जड़वाद, व्यक्तिवाद तथा संयम रहित उपभोग पर आधारित अधूरी दृष्टि के कारण भौतिक दृष्टि से सम्पन्न होते हुए भी वे देश चिंता में हैं। विविधताओं को कैसे सम्भालना, विकास व पर्यावरण को कैसे साथ चलाना, जो अपने जैसे नहीं हैं उनसे अपनेपन से कैसे बरतना, कुटुंबजीवन के तथा नई पीढ़ियों में संस्कारों के क्षरण को कैसे रोकना आदि समस्याओं का उत्तर उनके पास नहीं है। इसीलिए विश्व आज भूराजनैतिक तनावों के, आर्थिक अनिश्चितता के, पर्यावरणीय संकट के और वर्चस्व की लड़ाई में विनाश को देख रहा है।

मुंगेर की छठ परंपरा : सीताचरण, मुद्गल ऋषि और गंगा से शारदा सिन्हा के गीतों तक

कुमार कृष्णन

बिहार में छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, लोकजीवन, कृषि संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ी ऐसी परंपरा है, जिसमें सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। लेकिन बिहार के मुंगेर में छठ का महत्व एक विशिष्ट ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भ के कारण और बढ़ जाता है। यहां गंगा के बीच स्थित सीताचरण, महर्षि मुद्गल की परंपरा, उत्तरवाहिनी गंगा की धार्मिक मान्यता और लोकगायिका शारदा सिन्हा के गीतों में मुंगेर का उल्लेख इस पर्व को एक अलग पहचान प्रदान करते हैं। मुंगेर की छठ परंपरा को समझना दरअसल बिहार की लोकस्मृति, धार्मिक आख्यान और सांस्कृतिक विरासत को समझना भी है।

मुंगेर की छठ परंपरा का सबसे विशिष्ट पक्ष गंगा के बीच स्थित सीताचरण मंदिर है। गंगा की धारा के बीच एक विशाल शिलाखंड पर बने चरणचिह्नों को स्थानीय श्रद्धालु माता सीता के चरणचिह्न मानते हैं। इस स्थान को सीताचरण अथवा मणिपाषाण के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता सीता ने यहां महर्षि मुद्गल के आश्रम में रहकर सूर्योपासना की थी। उन्होंने अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का व्रत किया था। इसी मान्यता के कारण सीताचरण का महत्व छठ के अवसर पर विशेष रूप से बढ़ जाता है।

इस परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक संदर्भ आनंद रामायण में मिलता है। स्थानीय शोधकर्ताओं और इस विषय पर उपलब्ध विवरणों के अनुसार, आनंद रामायण के सीता और मुद्गल प्रसंग में इस क्षेत्र से जुड़ी मान्यता का उल्लेख किया जाता है। कथा के अनुसार, रावण वध के बाद भगवान राम और माता सीता महर्षि मुद्गल के आश्रम पहुंचे थे। महर्षि मुद्गल ने माता सीता को सूर्योपासना करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने सूर्यदेव की आराधना की। इसी प्रसंग को मुंगेर की छठ परंपरा से जोड़ा जाता है।

आनंद रामायण का प्रसंग धार्मिक आख्यान का स्रोत है, आधुनिक इतिहास की तरह किसी घटना की स्वतंत्र तिथि और पुरातात्विक पुष्टि नहीं।मुंगेर में छठ की एक विशिष्ट स्थानीय परंपरा विद्यमान है, जिसे माता सीता और महर्षि मुद्गल की कथा से जोड़ा जाता है। इस संदर्भ में 1926 में प्रकाशित मुंगेर जिला गजेटियर महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें गंगा के बीच स्थित उस शिलाखंड और चरणचिह्नों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें स्थानीय परंपरा में माता सीता के चरण माना जाता रहा है। गजेटियर का महत्व इस बात में है कि वह इस धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यता के पुराने अस्तित्व का दस्तावेजी संदर्भ उपलब्ध कराता है। इससे स्पष्ट होता है कि सीताचरण की परंपरा हाल के वर्षों में विकसित हुई कोई नई जनश्रुति नहीं है। हालांकि, गजेटियर में किसी धार्मिक मान्यता का उल्लेख उस कथा की ऐतिहासिक सत्यता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

मुंगेर का संबंध महर्षि मुद्गल से जोड़ने वाली परंपरा यहां के नामकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यता और पुराने विवरणों में इस क्षेत्र को मुद्गलपुर अथवा मुद्गलगिरि कहा गया है। समय के साथ नाम के परिवर्तित होकर मुंगेर बनने की व्याख्या भी प्रचलित है। स्थानीय ऐतिहासिक विवरणों में मुद्गल ऋषि से जुड़ी इस परंपरा का संदर्भ मिलता है। इससे मुंगेर की सांस्कृतिक पहचान में ऋषि परंपरा की उपस्थिति का पता चलता है। इस प्रकार छठ की स्थानीय कथा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक स्मृति से भी जुड़ जाती है। मुंगेर की दूसरी बड़ी विशेषता उत्तरवाहिनी गंगा है। कष्टहरणी घाट के सामने गंगा की धारा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है। धार्मिक मान्यता में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना जाता है। कष्टहरणी घाट का नाम भी अपने भीतर एक अर्थ समेटे हुए है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से मनुष्य के कष्ट दूर होते हैं। इस घाट का धार्मिक महत्व रामायणकालीन लोकमान्यताओं और स्थानीय ऋषि परंपरा से भी जोड़ा जाता है। गंगा के इस स्वरूप ने मुंगेर को धार्मिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान दी है।

कष्टहरणी घाट और सीताचरण का आपसी संबंध मुंगेर की छठ परंपरा को और विशिष्ट बनाता है। एक ओर गंगा का पवित्र तट है, दूसरी ओर नदी के बीच वह शिलाखंड है, जिसे माता सीता की सूर्योपासना से जोड़ा जाता है। छठ के अवसर पर श्रद्धालु नावों से सीताचरण पहुंचते हैं और वहां सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। गंगा की धारा, नावों की आवाजाही, व्रतियों के गीत और सूर्य को अर्पित किए जाने वाले अर्घ्य के बीच लोकआस्था का ऐसा वातावरण निर्मित होता है, जो मुंगेर की धार्मिक संस्कृति का विशिष्ट परिचय देता है। मुंगेर में छठ का आयोजन केवल सीताचरण तक सीमित नहीं है। कष्टहरणी घाट, बबुआ घाट, सोझी घाट, जेल घाट और कंकड़ घाट सहित शहर के अनेक गंगा घाटों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटते हैं। शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तालाबों, पोखरों और जलाशयों पर छठ मनाया जाता है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के चार दिनों में पूरा समाज पर्व की तैयारी में जुट जाता है। परिवारों की पीढ़ियां एक साथ दिखाई देती हैं और व्रतियों के प्रति सहयोग तथा सम्मान का भाव सामाजिक जीवन को एक सूत्र में बांधता है।

मुंगेर की छठ परंपरा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका लोकसांगीतिक स्वरूप भी है। छठ के गीतों में मुंगेर का उल्लेख बिहार की लोकस्मृति में इस शहर की उपस्थिति को प्रमाणित करता है। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा के गायन से लोकप्रिय हुए पारंपरिक छठ गीत 'मोरा भैया जाएला महंगा मुंगेर' का विशेष महत्व है। इस गीत में मुंगेर का नाम किसी भौगोलिक परिचय की तरह नहीं, बल्कि लोकजीवन के सहज प्रसंग के रूप में आता है। गीत की लोकप्रियता ने मुंगेर को बिहार की छठ संगीत परंपरा में भी एक पहचान दी है। इस गीत का एक दिलचस्प पक्ष यह है कि शारदा सिन्हा ने इसे अपनी गुरु पन्ना देवी से सीखा था। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लोकगीत किसी एक कलाकार की रचना या प्रस्तुति तक सीमित नहीं होते। वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक परंपरा के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। कलाकार उन्हें अपनी आवाज और शैली से व्यापक पहचान देते हैं, लेकिन उनके भीतर समाज की सामूहिक स्मृति और अनुभव सुरक्षित रहते हैं। शारदा सिन्हा ने छठ गीतों को जिस व्यापक लोकप्रियता और सम्मान तक पहुंचाया, उसमें ऐसे पारंपरिक गीतों की बड़ी भूमिका रही है।

'मोरा भैया जाएला महंगा मुंगेर' को मुंगेर की सांस्कृतिक पहचान के संदर्भ में देखना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि लोकगीतों में किसी स्थान का उल्लेख उसके सामाजिक और आर्थिक जीवन की झलक भी प्रस्तुत करता है। मुंगेर का नाम लोकगीत में आना बताता है कि यह शहर केवल धार्मिक आख्यानों और ऐतिहासिक स्थलों के कारण ही आसपास के जनजीवन में परिचित नहीं था, बल्कि बाजार, आवाजाही और पारिवारिक-सामाजिक संबंधों की लोकस्मृति में भी उसकी जगह थी। इस गीत के माध्यम से मुंगेर की पहचान गांव-गांव तक पहुंचती है। इस तरह सीताचरण जहां धार्मिक स्मृति का केंद्र है, वहीं शारदा सिन्हा का गीत मुंगेर की सांगीतिक स्मृति का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाता है।

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

डॉ. सत्यवान सौरभ

जनसंख्या नियंत्रण नहीं, मानव विकास और भविष्य की तैयारी है समय की मांग

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है।

भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है।

प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा।

जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी।

ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए। जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है।

भारत के सामने वास्तविक चुनौती जनसंख्या को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि जनसंख्या की बदलती संरचना के अनुरूप सार्वजनिक नीतियों का निर्माण करना है। वृद्धजनों के लिए व्यापक पेंशन व्यवस्था, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था देखभाल केंद्र तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग की आबादी को उत्पादक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा। जनसांख्यिकीय लाभांश तभी वास्तविक आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो सकता है, जब युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए।

परिवार नियोजन का उद्देश्य महिलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें सूचित और स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की संख्या के आधार पर राजनीतिक अधिकारों अथवा सार्वजनिक अवसरों से वंचित करना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के व्यापक उद्देश्य को कमजोर कर सकता है।

भारत को जनसंख्या नियंत्रण की पुरानी अवधारणा से आगे बढ़कर जनसंख्या प्रबंधन और मानव विकास की व्यापक नीति अपनानी चाहिए। इसमें क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय जरूरतों के अनुसार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वृद्धजन कल्याण, श्रम बाजार की तैयारी और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जनसंख्या संबंधी नीतियों का मूल्यांकन केवल जन्म दर के आंकड़ों से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समानता के आधार पर किया जाना चाहिए।

अंततः, जनसंख्या किसी राष्ट्र के लिए केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी मानवीय क्षमता और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब होती है। भारत की घटती प्रजनन दर हमें यह अवसर प्रदान करती है कि हम दंडात्मक नियंत्रण के बजाय अधिकार-आधारित, वैज्ञानिक और संवेदनशील नीतियों की दिशा में आगे बढ़ें। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब उसके युवा शिक्षित और रोजगारयुक्त होंगे, महिलाएं स्वतंत्र होंगी और वृद्धजन सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। अब आवश्यकता जनसंख्या पर नियंत्रण की नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विकास और बदलती जनसांख्यिकी के अनु



चीनी किचन की मुख्य सामग्रियों में से एक है, जो हर एक घर के किचन का अहम हिस्सा है। आमतौर पर चीनी का इस्तेमाल खाने की सामग्रियों की मिठास बढ़ाने के लिए किया जाता है। चाहे गाजर का हलवा बनाना हो या फिर कॉफी में थोड़ी मिठास जोड़नी हो हमें सबसे पहले चीनी ही याद आती है। यही नहीं चीनी का उपयोग कई सौंदर्य उत्पादों और घरेलू नुस्खों के रूप में चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

सौंदर्य उत्पादों और घरेलू नुस्खों के रूप में करें चीनी का इस्तेमाल

अगर हम आपसे कहें कि मिठास और सौंदर्य बढ़ाने वाली ये चीनी आपके घर की सफाई में भी काम आ सकती है, तो आप क्या कहेंगे ? जी हां ये सच है कि चीनी का इस्तेमाल कई तरह से किचन के अलावा घर की सफाई में भी किया जा सकता है।

जंग साफ करें

कई बार कपड़ों या फिर अन्य जगहों पर लोहे के जंग या रस्ट का निशान पड़ जाता है। ये निशान जल्दी साफ नहीं होता है। इसे साफ करने के लिए आप चीनी का इस्तेमालकर सकती हैं। इसके लिए 2 चम्मच चीनी में 1 नींबू का रस निचोड़ें। इन दोनों सामग्रियों का मिश्रण बनाएं और इसे जंग वाले स्थान पर लगाएं। थोड़ी देर इस मिश्रण को लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें। बहुत जल्द ही ये निशान हल्का होकर हट जाएगा।

बर्तनों की सफाई

आपने कई बार नमक से बर्तनों की सफाई (ऐसे करें ताम्बे के बर्तनों की सफाई) के बारे में जरूर सुना होगा लेकिन चीनी का इस्तेमाल भी आपके बर्तनों में चमक ला सकता है। इसके लिए आपको चीनी और बेकिंग सोडा का घोल बनाकर बर्तनों में इस्तेमाल करना है। 4 बड़े चम्मच चीनी और एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा लें। दोनों सामग्रियों को लगभग आधे कप पानी में मिलाएं और घोल तैयार करें। इस घोल से आप बर्तनों की सफाई करें। बर्तन चमक जाएंगे।

चांदी को चमकाए

आप सभी कभी न कभी चांदी के आभूषण या फिर चांदी के बर्तनों को चमकाने के बारे में जरूर सोचते होंगे। चंडी बहुत जल्द ही हवा के संपर्क में आकर काली पड़ने लगती है। ऐसे में इसे चमकाने के लिए चीनी और गुलाबजल का मिश्रण तैयार करें। इसके लिए आप लगभग 3 चम्मच चीनी में 1 चम्मच गुलाबजल मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक फेंटें जब तक ये दोनों सामग्रियां अच्छी तरह से मिक्स न हो जाएं। इस घोल को चांदी के आभूषण या फिर बर्तनों में लगाएं और स्क्रबर से साफ करें। बर्तनों और आभूषणों में चमक आ जाएगी।

फर्श की सफाई

चीनी से आप अपने घर की फर्श को भी चमका सकती हैं। इसके लिए आप आधा कप चीनी में 2 चम्मच सिरका मिलाएं और इस मिश्रण को पानी में घोलकर पोछा लगाएं। आपकी फर्श चमक जाएगी। ये किचन के गंदे टाइल्सको साफ करने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर फर्श पर कोई जिद्दी दाग है तो इस मिश्रण को पानी में मिलाए बिना ही दाग वाले स्थान पर रगड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद कपड़े से साफ कर दें। जिद्दी दाग साफ हो जाएगा।



हाउसप्लांट लगाने से पहले जरूर करें यह काम

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देना चाहता है, भले ही उसके घर में स्पेस कम ही क्यों ना हो या फिर वह प्लांटिंग में बिगनर हो, तब भी प्लांट्स की मदद से वह अपने घर को ब्यूटीफुल बनाना चाहता है। हालांकि, कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आप अपने घर में प्लांट्स लगाते हैं और उसकी ग्रोथ बेहतर तरीके से नहीं होती। इतना ही नहीं, आपका पौधा मर भी जाता है। ऐसे में आप अपने प्लांट को चेंज करते हैं।

लेकिन वास्तव में आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। बस जरूरी है कि आप प्लांट को पॉट में लगाने से पहले कुछ चीजें अवश्य करें। ऐसे कई छोटे-छोटे स्टेप्स होते हैं, जिन्हें अगर प्लांटिंग से पहले फॉलो किया जाए तो इससे प्लांट्स की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है और अपेक्षाकृत बेहतर रिजल्ट मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

एप्सम सॉल्ट का करें इस्तेमाल

अगर आप पौधे को ट्रांसप्लांट कर रहे हैं तो ऐसे में पत्तियों के मुरझाने से लेकर डिस्कलरेशन का खतरा बना रहता है। ऐसे में बेहतर तरीका है कि आप एप्सम सॉल्ट का इस्तेमाल करें। यह पौधे को ट्रांसप्लांट शॉक से बचाने में मदद करता है। साथ ही, यह क्लोरोफिल उत्पादन में भी मदद करता है, जो पौधे को तेजी से ठीक करने और पोषक तत्वों को बेहतर ढंग से अवशोषित करने की अनुमति देता है। आप 2 लीटर पानी में 1/2 टेबल स्पून एप्सम सॉल्ट डालकर रोपण के बाद इसे आवश्यकतानुसार डाल सकते हैं या फिर आप 1 गैलन पानी में दो बड़े चम्मच एप्सम सॉल्ट भी मिला सकते हैं और इस घोल को महीने में एक बार पौधों में डाल सकते हैं। अगर आप अपने प्लांट को रिपॉट कर रहे हैं तो यह जरूरी है कि आप उसकी रूट्स को अवश्य चेक करें। अगर रूट्स बहुत अधिक पैक हैं तो उन्हें ढीला करने के लिए आपको उन्हें थोड़ा स्क्रैच करना होगा। इसके अलावा, बेहतर होगा कि आप गहरे भूरे और सड़े हुए हिस्सों को भी हटा दें। हालांकि, इस प्रक्रिया को करते हुए यह सुनिश्चित करें कि आप इस दौरान रूटबॉल को नुकसान नहीं पहुंचा हैं। रूटबॉल को स्क्रैच करने वे खुल जाएंगे, जिससे नए पॉट में मिट्टी के साथ उनका बेहतर संपर्क हो सकेगा और उनकी ग्रोथ भी बेहतर होगी।

वाटर अब्जार्बिंग क्रिस्टल्स का करें इस्तेमाल

वाटर अब्जार्बिंग क्रिस्टल्स की खासियत यह होती है कि यह पानी को होल्ड कर सकते हैं और फिर इसे धीरे-धीरे छोड़ सकते हैं। जिसके कारण यह उन बिजी गार्डनर के लिए एक बेहतरीन प्रोडक्ट है, जिनके पास पौधों की देखभाल करने के लिए अधिक समय नहीं होता है। प्लांट लगाने के लिए पॉटिंग मिक्स तैयार करने के बाद, एक मीडियम साइज के पॉट में एक मुट्ठी या अधिक वाटर अब्जार्बिंग क्रिस्टल्स या हाइड्रोजेल क्रिस्टल डालें। यह आपके हाउसप्लांट्स को उनकी आवश्यकता के अनुसार नमी को अवशोषित करने में मदद करेगा, जिससे उन्हें बेहतर तरीके से पनपने में मदद मिलेगी।

पॉट को अच्छी तरह से स्टेरलाइज करें

यदि आप पौधों को उगाने के लिए पुराने गमलों का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि आप उन्हें कीटाणुरहित अवश्य करें, ताकि वे नए पौधे को कोई कीट और रोग न पहुंचाएं। इसके अलावा, पॉट को एक भाग ब्लीच में 9 भाग पानी को मिक्स करें। इसके बाद, इसे कम से कम 10 मिनट के लिए भिगोएं। फिर, पॉट को डिश डिटर्जेंट और पानी के घोल में डालें और फिर पॉट को स्टील वूल या वायर-ब्रिसल ब्रश का उपयोग करके क्लीन करें। अंत में, पॉट को अच्छी तरह से धो लें और उन्हें साफ पानी की एक बाल्टी में तब तक भिगोएं, जब तक आप उनका उपयोग ना करें।





आप वर्किंग वुमन हैं ...तो अपनी जिम्मेदारी भी समझें

आप वर्किंग वुमन हैं, आप अपना काम अच्छी तरह से पूरा करते हैं तो आपकी पहचान ऐसे कर्मचारी के रूप में है, जो उस कार्य विशेष को अच्छी तरह करना जानती हैं। लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिनकी जिम्मेदारी आप को समझनी चाहिए।

अधिकतर कर्मचारी यह नहीं समझते कि जिस कंपनी में वे नौकरी कर रहे हैं, उसका हिस्सा मानते हुए उसे आगे ले जाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। यहां कुछ ऐसे ही कामों की सूची दी जा रही है, जो आपके जॉब प्रोफाइल में शामिल नहीं होते, पर यदि आप उन्हें करती हैं तो आपको आगे बढ़ने के लिए अवसर मिलते रहेंगे। क्योंकि बात जब प्रमोशन की आती है तो प्रबंधकीय टीम की नजर ऐसे लीडर्स पर होती है, जो उस कंपनी विशेष के साथ खुद को जोड़ कर देखते हैं।



समस्याओं का अनुमान

भविष्य में आ सकने वाली समस्याओं का अनुमान लगाएं। अपने पास उनके समाधान तैयार रखें। घटनाएं होने का इंतजार न करें, अपने स्तर पर सक्रिय बनें। हम सबके पास ऐसे पल होते हैं, जब लगता है कि उस कार्य को हम और बेहतर कर सकते थे। जब भी ऐसे क्षण आएं तो पूरी योजना के साथ आगे आएं और उस काम को कर लें।

आपके विचार और सुझाव

काम के दौरान यदि आपको लगता है कि किसी काम को अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है तो उस संबंध में अपना सुझाव दें। यदि आपका मैनेजर उसमें बाधा पहुंचा रहा है तो जहां भी आप अपने सुझाव दे सकती हैं, अवश्य दें।

इंतजार न करें

आपको लगता है कि कोई कार्य किया जाना है, जिसे कोई कर नहीं रहा है तो उसे करें। यहां तक कि लंच के बाद उस जगह को पुनर्व्यवस्थित करना या पार्टी आदि के किसी आयोजनों में मदद करने से पीछे न हटें। बहुत कम लोग होते हैं जो बिना कहे, काम किए जाने की जरूरत समझते हैं।

लीडरशिप डेवलप करें

प्रत्येक टीम या प्रोजेक्ट का एक लीडर होता है तो वह आप क्यों नहीं हो सकते? यदि आप लीडर नहीं भी हैं तो भी अधिकतम योगदान दें। अपना सुझाव दें। यदि कोई काम गैर उपयोगी लगता है तो अपना मत पूरे शिष्टाचार के साथ व्यक्त करें।

कंपनी के बारे में बुराई से बचें

किसी बात पर यदि सहमत नहीं है तो प्रश्न पूछें। पर इधर-उधर कंपनी के बारे में बुरा बोलना या फिर काम या बॉस के संबंध में अपशब्द कहना सही नहीं है। ऐसा करने से आपको कंपनी में और उच्च स्तर पर काम करने का अवसर नहीं मिलेगा। जब भी आप काम पर हों तो कंपनी के कामों में सुधार करने की दिशा में अपना योगदान दें।

मीटिंग्स में चुप न रहें

मीटिंग में कुछ लोग बिल्कुल चुप रहते हैं, हमेशा ये रवैया सही नहीं होता। किसी भी कर्मचारी के लिए जरूरी है कि वह जिस तरह और जितना अधिक कामों में अपना योगदान दे सकता है, अवश्य दे। खासतौर पर महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स या उच्च स्तरीय कार्यो की बात हो तो उनमें अवश्य भाग लें। याद रखें, काम करने वालों को हमेशा नोटिस किया जाता है।

ज्यादा से ज्यादा योगदान

यदि आप कस्टमर सर्विस में हैं और किसी को आपकी मदद की जरूरत है तो मात्र 'आप इस नंबर पर मिला लें', ऐसा न कहें। यदि संभव है तो उनको यह काम आप करके दें। अच्छी सेवाओं की उपभोक्ता प्रशंसा करते हैं। जब बॉस के सामने कोई ग्राहक कंपनी द्वारा दी जा रही अच्छी सेवाओं के माध्यम से आपकी तारीफ करता है, यह आपके लिए मायने रखता है।

दूसरी गतिविधियों से जुड़ें

एक कंपनी में कई तरह की गतिविधियां होती हैं। मसलन, आप डाइवर्सिटी कमेटी की सदस्य बन सकती हैं। ऐसे कामों से खुद को जोड़ सकती हैं, जहां लगता है कि आप बेहतर योगदान दे सकती हैं। यदि आपको कंपनी एचआर की ओर से किसी काम में वॉलंटियर बनने का ई-मेल मिलता है और आप वह काम कर सकती हैं तो अवश्य करें। कंपनी यदि किसी नए काम या प्रयास की जानकारी दे रही है तो उस बारे में सकारात्मक टिप्पणी भेजें, योगदान देने की अपनी मंशा को भी व्यक्त करें। मैनेजमेंट को यह बात पसंद आती है।

घर पर ही तैयार करें ब्राइडल क्राउन

आजकल मेंहदी या संगीत के फंक्शन में दुल्हनें क्राउन पहनना पसंद करती हैं। ये क्राउन होने वाली ब्राइड्स को प्रिंसेस जैसा लुक देते हैं। अब कई दुल्हनें शादी के फंक्शन में गोल्ड के की जगह फूलों से बने ब्राइडल क्राउन पहनती हैं। इतना ही नहीं ब्राइड मेट्स के लिए भी सिंपल और खूबसूरत क्राउन मिल जाते हैं। वैसे तो बाजार में कई तरह के डिजाइनर क्राउन आते हैं, पर आप चाहें तो इस तरह के क्राउन अपने घर पर भी आसानी से बना सकती हैं। जानते हैं, इन क्राउन्स को बनाने का तरीका।

गेंदे के फूल से बनाएं क्राउन

पहले के समय में रानियां और राजकुमारियां फूलों से बने गहनों का इस्तेमाल करती थीं। जिन्हें बनाने के लिए गेंदे और गुलाब के फूलों का इस्तेमाल किया जाता था। आजकल इन फूलों के बने क्राउन काफी ट्रेंड में हैं। आप चाहें तो इन फूलों के बने क्राउन को घर पर भी तैयार कर सकती है।

सामान

गेंदे के फूल- 8 से 10, व्हाइट फूल- 5 से 6, वायर- 2, फ्लोरल टेप- 1 (हरे रंग), पत्तियां- 7 से 8

बनाने का तरीका

- क्राउन बनाने के लिए सबसे पहले वायर के दो टुकड़ों को फ्लोरल टेप की मदद से आपस में जोड़ लें।
- इसके बाद वायर के चारों तरफ हरी पत्तियां लगाएं और उन्हें भी टेप की मदद से चिपका लें।
- फिर गेंदे के फूलों को क्राउन पर चिपकाएं, साथ ही सफेद फूलों को भी फ्लोरल टेप की मदद से अच्छे से चिपका लें।
- इन आसान तरीकों से आपका गेंदे के फूलों से बना क्राउन तैयार हो जाएगा। आप चाहें तो गेंदे के फूल के अलावा भी किसी दूसरे फूल का इस्तेमाल करके भी इन क्राउन्स को तैयार कर सकते हैं।

पेपर फ्लावर क्राउन

क्राउन सिर्फ असली फूलों से ही नहीं बल्कि कलर पेपर की मदद से भी बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आपको अलग-अलग रंगों के क्रेप पेपर की जरूरत होती है। क्रेप पेपर बहुत ही हल्के कागज होते हैं, जिस कारण इस कागज के बने फूल भी असली लगते हैं। ये पेपर आपको किसी भी स्टेशनरी पर बड़ी आसानी से मिल जाएंगे, तो आइए जानते हैं इन पेपर क्राउन को बनाने का तरीका।

सामान

वायर- 1, क्रेप पेपर -3 से 4, कैंची- 1,ग्लू- 1

बनाने का तरीका

- पेपर के क्राउन बनाने के लिए सबसे पहले एक वायर लें और उसे अपने सर के नाप तक कट कर लें।
- इसके बाद वायर पर ग्रीन कलर की रिबन लगाएं, जिससे वायर को ढका जा सके।
- फिर क्रेप पेपर को कैंची से कट करके अपने पसंद के फूल बनाएं, वहीं ग्रीन कलर के पेपर से क्राउन की पत्तियां बनवाएं।
- अब फूलों को ग्लू की मदद से वायर के साथ चिपका दें। इसके बाद कागज की कट की हुई पत्तियों को भी इसी तरह क्राउन पर चिपका दें।
- इन आसान स्टेप्स के साथ आप अपने लिए एक परफेक्ट क्राउन तैयार कर सकती हैं। ऐसे क्राउन चाहें तो आप अपनी बेटियों के लिए भी तैयार कर सकती हैं, जो देखने में बहुत ही सुंदर लगते हैं।

आर्टिफिशियल फूल

असली फूल या कागज की जगह आप चाहो तो आर्टिफिशियल फूलों की मदद से भी क्राउन तैयार कर सकती हैं। बाजार में आर्टिफिशियल फूल बड़ी आसानी से मिल जाते हैं, जो इन क्राउन की सजावट में काम आ सकते हैं, इसके अलावा यह समय के साथ खराब भी नहीं होते हैं।



एक नजर

अमेरिका में ईरान युद्ध और छात्र आंदोलनों पर बोलेंगे राहुल गांधी, भारत की विदेश नीति पर भी रखेंगे विचार

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 17 और 18 नवंबर को अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे कोलंबिया विश्वविद्यालय और शिकागो विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने बताया कि राहुल गांधी की यह यात्रा मुख्य रूप से दो शैक्षणिक संवादों पर केंद्रित रहेगी।

पित्रोदा के मुताबिक, 17 नवंबर को न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में राहुल गांधी वैश्विक छात्र आंदोलनों पर चर्चा करेंगे। इसमें शिक्षा, रोजगार, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोकतंत्र पर युवाओं की भूमिका जैसे मुद्दे शामिल होंगे। वहीं, 18 नवंबर को शिकागो विश्वविद्यालय में वे भू-राजनीति, अंतरराष्ट्रीय हालात और ईरान युद्ध के बीच भारत की विदेश नीति के सामने मौजूद चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे। इस चर्चा में राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप भी शामिल होंगे।

पित्रोदा ने बताया कि राहुल गांधी के ये दोनों कार्यक्रम पहले से प्रस्तावित थे और उनकी यात्रा काफी संक्षिप्त होगी। विश्वविद्यालयों की ओर से इन संवादों का प्रसारण भी किया जाएगा।

राहुल गांधी के विदेश में दिए जाने वाले बयानों को लेकर बीजेपी की आलोचना पर पित्रोदा ने कहा कि विदेश में भारत के मुद्दों पर चर्चा करना देश का अपमान नहीं है। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में तथ्यों के आधार पर देश और दुनिया के मुद्दों पर खुली बातचीत होनी चाहिए।

इस दौरे के दौरान राहुल गांधी की भारतीय प्रवासी समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों से मुलाकात भी हो सकती है।

यूएई के पास तेल टैंकर पर हमला, सभी 19 भारतीय नाविक सुरक्षित

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक तेल टैंकर पर हुए हमले के बाद जहाज में सवार सभी 19 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। मंत्री के अनुसार, लाइबेरिया के झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर 'एमटी डोमिनिका प्रॉस्पेरिटी' पर बुधवार को मीना साकर के पास प्रक्षेप्य से हमला किया गया था। हमले के समय जहाज पर कुल 22 सदस्य सवार थे, जिनमें 19 भारतीय शामिल थे। संयुक्त अरब अमीरात के तटरक्षक बल ने सभी 22 सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सोनोवाल ने बताया कि भारत सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है। जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी के संपर्क में भी अधिकारी हैं, ताकि चालक दल को जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

ब्राह्मण से चींटी तक नहीं मरेगी, मुसलमान को गाली लिख रहे; प्रशांत किशोर के बयान पर सियासी बवाल

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के ब्राह्मणों को लेकर दिए गए एक बयान पर बिहार में सियासी हंगामा मच गया है। पीके ने पिछले दिनों दरभंगा में कहा कि पहले ब्राह्मणों की मुसलमानों से ना आरक्षण और ना ही जमीन की लड़ाई है। ब्राह्मणों से एक चींटी तक नहीं मरेगी, लेकिन भाजपाई बनकर सोशल मीडिया पर मुसलमानों को गाली लिख रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ब्राह्मणों ने भाजपा का झंडा उठा लिया, जिससे 20 प्रतिशत मुसलमान वोट उनसे छिटक गए। इस पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेता भड़क गए। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि प्रशांत



किशोर ब्राह्मणों को बख्श दें। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि यह पीके की हताशा को दर्शाता है। वहीं, राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा ने भी पीके के इस बयान पर आपत्ति जताई। प्रशांत किशोर ने 5 नवंबर को दरभंगा में मैथिल बुद्धजीवी विचार संगोष्ठी को संबोधित किया था। मंच से प्रशांत किशोर ने ब्राह्मण समाज की राजनीति पर अहम टिप्पणी की। कार्यक्रम में जब लोगों ने जन सुराज चीफ से ब्राह्मणों को चुनावी टिकटों में तरजीह देने की बात कही, तो उन्होंने कहा- यहां पर 15 साल से ब्राह्मण विधायक है। सांसद भी ब्राह्मण ही है। फिर क्यों कष्ट में जी रहे हैं। पीके ने ब्राह्मण से कहा, 'आप खुद को ज्ञानी बता रहे हैं। आपको पता है कि चुनाव जीतने के लिए वोट चाहिए। इसलिए आपके पुरखों ने व्यवस्था बनाई थी, जिसमें 20 प्रतिशत मुसलमान आपको वोट करता था। जब आपने भाजपा का झंडा उठा लिया तो मुस्लिम वोट छिटककर चला गया। अब आप झुनझुना बजा रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि ब्राह्मणों की मुसलमानों से ना तो आरक्षण की लड़ाई है और ना ही जमीन की। ना कभी आपस में दंगे हुए। प्रशांत किशोर बोले, 'आपसे एक चींटी तक नहीं मराएगी, लेकिन फेसबुक पर भाजपाई बनकर मुसलमानों को गाली लिख रहे हैं। जिसके वोट से आप राजा बनते थे वो छोड़कर दूसरी जगह चला गया और आप अपने आपको बुद्धिजीवी बता रहे हैं।

पीके ने ब्राह्मणों से यह भी कहा, 'आप गलत रास्ता मत पकड़िए, आपकी ताकत कलम और सरस्वती है। आप फरसा चलाने वाले लोग नहीं है। फरसा चलाने और परशुराम जी की जो बात है वो एक संदर्भ में है। वो आपका नैचुरल स्वभाव नहीं है।

भाजपा नेता मृत्युंजय तिवारी ने जिस तरह ब्राह्मण समाज की बैठक में प्रशांत किशोर मुस्लिम वोटबैंक की बात कर रहे हैं, यह उनकी हताशा को दर्शाता है। वहीं, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा, 'प्रशांत किशोर हमें (ब्राह्मणों को) बख्श दीजिए। देश का हर ब्राह्मण वेद-पुराण और उपनिषद एवं मंदिर के साथ है। उसकी रक्षा केवल मोदी सरकार कर सकती है।

रसगुल्ला बताकर खिलाया सुअरमार बम, चबाते ही मुंह में धमाका; मध्य प्रदेश में युवक की दर्दनाक मौत

डिंडौरी। मध्य प्रदेश के डिंडौरी से एक बेहद ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां 35 वर्षीय शख्स को कथित तौर पर उसके दोस्त ने रसगुल्ला बताकर सुअरमार बम खिला दिया गया। 'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद मुंह में रखते ही धमाका हुआ और शख्स की मौत हो गई। विस्फोट इतना तगड़ा था कि शख्स के मुंह के भीतर का हिस्सा और जबड़ा बुरी तरह उड़ गए।

घटना पड़रिया छांटा गांव में मंगलवार शाम की है। युवक को बातों-बातों में सुअरमार बम खाने को दिया गया था जिसके बाद मुंह में रखने और चबाने के साथ उसमें विस्फोट हो गया। युवक को इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि जिसे वह रसगुल्ला समझकर खा रहा है वह असल में बम है। डिंडौरी कोतवाली पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर दुर्गा प्रसाद नागपुरे के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब 7 बजे राजेंद्र ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और फिर आंगन में आग तारने के लिए आग के पास बैठ गया। इसके बाद गांव में ही रहने वाला



रामभगत बरौतिया वहां आया और उसके पास बैठ गया। ठंड की शाम में परिवार के बीच एक सामान्य और शांत माहौल था।

इसके बाद दोनों आपस में बातें करने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान रामभगत ने कथित तौर पर राजेंद्र को सुअरमार बम यह कहते हुए दिया कि वह रसगुल्ला है। मिठाई समझ राजेंद्र ने तुरंत उसे मुंह में डाल लिया और जैसे ही चबाया तो उसमें विस्फोट हो गया जिससे उसका मुंह बुरी तरह जख्मी हो गया। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम किया जिसके बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

परिजन आनन-फानन में राजेंद्र को अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने ईलाज के बाद मृत घोषित कर दिया। 'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने रामभगत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया है।

घटना के बारे में जानकर गांव के लोग हैरान हैं। वहीं पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश में जुट गई है कि आखिरकार शख्स के पास बम आया कहां से और उसने रसगुल्ला बताकर राजेंद्र को इसे क्यों सौंपा। पुलिस मामले में हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।

आपको बता दें कि सुअरमार बम बारूद और पोटाश से तैयार किया जाता है। इसका इस्तेमाल जंगली सूअरों को मारने के लिए किया जाता है। हल्का दबाव पड़ने पर ही इसमें धमाका हो जाता है। इस तरह के बम का इस्तेमाल शिकारी जंगलों छोटे जानवरों के शिकार के लिए भी करते हैं।

पाकिस्तान पर हुए दो बड़े हमले, 10 पुलिसकर्मियों की मौत, कई गाड़ियां जलाई

बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने मुख्य पुल को बम से उड़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पर एक ही दिन में हुए दो बड़े हमलों ने सुरक्षा व्यवस्था और अशांति की पोल खोल दी है। खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हमला कर दिया। इस हमले में डीएसपी हैदर जमान और सब-इंस्पेक्टर मुख्तियार समेत 10 पुलिसकर्मी मारे गए और उनकी गाड़ियां जला दी गईं। वहीं, बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने एक मुख्य पुल को बम से उड़ा दिया, जिससे देश की प्रमुख व्यापारिक और रणनीतिक नसें कट गईं।

रिपोर्ट के मुताबिक कोहाट में यह हमला गुंबत इलाके के पास हुआ, जब पुलिस अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने जा रही थी। टीटीपी के आतंकवादियों ने पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर मोर्चा संभाल कर पुलिस काफिले पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। ऊंचाई का फायदा उठाकर आतंकियों ने पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। हमले में पुलिस की पांच मोबाइल गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं और 10 पुलिसकर्मी मौत के शिकार हो गए। इस घटना के बाद पूरे गुंबत इलाके में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

बता दें इससे पहले बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के खाडकोचा इलाके में बलूच अलगावादी विद्रोहियों ने क्वेटा और करांची को जोड़ने वाले मुख्य नेशनल हाईवे पर एक अहम पुल को बम से उड़ा दिया। यह पुल पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और सैन्य लॉजिस्टिक्स के लिए अत्यधिक अहम था।

चुनावी चंदा जुटाने में भारतीय और अमेरिकी नेताओं में रो खन्ना सबसे आगे रहे

कई मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति अलग रही, कुछ पर था कर्ज का बोझ

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच चुनावी चंदा जुटाने के मामले में कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सबसे आगे निकलकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। एफईसी के रिकॉर्ड की समीक्षा से पता चला है कि उनके चुनावी अभियान के पास वर्तमान में 1.66 करोड़ डॉलर की नकद राशि है और उन पर कोई कर्ज नहीं है। यह राशि न केवल प्रभावशाली है, बल्कि आठ भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्यों और नवनिर्वाचित सदस्यों में सबसे अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना की यह वित्तीय स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उनके पास मौजूद नकद राशि अन्य सात भारतीय-अमेरिकी सांसदों और नवनिर्वाचित सदस्यों की संयुक्त राशि करीब 1.11 करोड़ डॉलर से भी ज्यादा है। उनके अभियान सूत्रों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक 2026 के चुनावी चक्र के दौरान उन्हें 1.53 करोड़ डॉलर मिले और 95 लाख डॉलर खर्च किए गए। यह दर्शाता है कि उनके अभियान की कुल नकद शेष राशि उनकी कुल प्राप्तियों से भी ज्यादा थी, जो कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रतीक है। वहीं अन्य मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति भी विभिन्न रही। वाशिंगटन से प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने 17.5 लाख डॉलर नकद राशि होने की जानकारी दी और उन पर कोई कर्ज नहीं था। कैलिफोर्निया के एमी बेरा के पास 16.5 लाख डॉलर की नकद राशि थी, लेकिन उन पर 80,000 डॉलर का कर्ज था। वहीं, वर्जीनिया के सुहास सुब्रमण्यम ने करीब 7.46 लाख डॉलर नकद राशि होने की सूचना दी और उन पर भी कर्ज नहीं था। इन सांसदों के अभियानों को चुनावी चक्र के दौरान अच्छी खासी राशि मिली और खर्च भी किया। नवनिर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सदस्यों के पास चुनाव जीतने से पहले अपेक्षाकृत कम नकद भंडार था, जो उनकी शुरूआती अवस्था को दर्शाता है। एरिजोना के प्रथम कांग्रेसनल जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली को हराने वाले अमीश शाह ने 14 अक्टूबर तक 57 लाख डॉलर की प्राप्ति और 55 लाख डॉलर के खर्च की सूचना दी। उनके पास करीब 2.06 लाख डॉलर शेष थे और करीब 37,000 डॉलर का कर्ज था। फ्लोरिडा के 22वें जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी असकर को पराजित करने वाली पिया दांडिया के अभियान के पास करीब 7.35 लाख डॉलर नकद राशि थी और 2.47 लाख डॉलर का कर्ज था। उनके प्रतिद्वंद्वी असकर ने स्वयं के ऋण समेत 74 लाख डॉलर प्राप्त किए, लेकिन उनके अभियान पर 62.9 लाख डॉलर का बड़ा कर्ज बना रहा।

यूपी चुनाव में अखिलेश की राह में बिछ गया रोड़ा, चंद्रशेखर-ओवैसी मिलन से वोट विभाजन तय

लखनऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव 2027 के सियासी समर के बीच चंद्रशेखर-ओवैसी के गठबंधन के ऐलान ने हलचल बढ़ा दी है। यूपी की सियासत में उपजे नए समीकरण ने अखिलेश और मायावती दोनों की मुसीबत बढ़ा दी है। दलित-मुस्लिम नया गठजोड़ सपा और बसपा के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है। राजनीति जानकारों की मानें तो ओवैसी-चंद्रशेखर की जोड़ी पूरे यूपी को प्रभावित कर सकती है। वोटों का बंटना तय माना जा रहा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह सामाजिक परिवर्तन मोर्चा कहां तक सफल होता है।

पिछले उत्तर प्रदेश विधानसभा के परिणामों पर नजर डालें तो आईएमआईएमआई कई सीटों पर चुनाव प्रभावित कर सकती है। एआईएमआईएम जहां सपा को तो वहीं, आजाद समाज पार्टी बसपा के परंपरागत वोटों को नुकसान पहुंचा सकती है। कुछ हद तक दलित मतदाता कांग्रेस को भी वोट करते रहे हैं। वजह ओवैसी और चंद्रशेखर के नए तेवर भी हैं। ओवैसी ने जहां मुस्लिम की बात करते दिखे कि मुसलमान अब दरी नहीं बिछाएगा। वहीं चंद्रशेखर दलितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने की बात कर रहे हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 95 उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी को औसत 0.49 फीसदी वोट मिले थे। यह दीगर बात है कि कोई उम्मीदवार नहीं जीत सका। वहीं आजाद समाज पार्टी ने 110 सीटों पर प्रत्याशी उतारे और 0.13 फीसदी वोट हासिल किया था। आईएमआईएमआई की बात करें तो पिछले चुनाव में औसतन पांच हजार वोट मिले थे। ऐसे में आईएमआईएमआई ऐसी सीटों को प्रभावित कर सकती है। जहां जीत-हार की मार्जिन कम रही हो। दोनों दलों का फोकस कुंदरकी, संभल, असमोली, बिलारी, रामपुर, मेरठ, नगीना, कानपुर कैंट, आजमगढ़ में मेहनगर, जौनपुर में मछलीशहर, शाहगंज, बहराइच, श्रावस्ती जैसी सीटों पर है। यहां पिछले चुनाव में पार्टी प्रदर्शन बेहतर रहा था। कुंदरकी में एआईएमआईएम प्रत्याशी मो. वारिस को 14,251 वोट मिले थे, जबकि सपा उम्मीदवार ने 1,25,792 वोट हासिल किए थे। यहां सपा ने जीत दर्ज की थी। भाजपा दूसरे नंबर पर रही थी। पार्टी के लिए संभल सीट सबसे महत्वपूर्ण साबित थी। यहां एआईएमआईएम उम्मीदवार मो. मुशीर खान 21,470 वोट मिले। 2027 चुनाव में दलितों-मुस्लिमों का वोट गठजोड़ से दोनों दल नए समीकरण साधने की कोशिश में हो।

सैम पित्रोदा ने की मोदी की तारीफ, बताया गुजराती दोस्त, बोले- अच्छी बनती है

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। पित्रोदा की गिनती गांधी परिवार के करीबी नेताओं में होती है और वे जब राहुल गांधी अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की यात्रा करते हैं, तो उसमें अहम भूमिका निभाते हैं। पित्रोदा ने अब पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा है कि वह निजी तौर पर बहुत अच्छे, दयालु और प्यार करने वाले हैं और हमारी आपस में अच्छी बनती है। पित्रोदा ने पीएम मोदी को अपना गुजराती दोस्त बताया है। इस पर पीएम मोदी ने खुद रिप्लाई करके जवाब दिया



है। सैम पित्रोदा ने पीएम मोदी के बारे में कहा, 'वह एक गुजराती दोस्त हैं। मैं एक इंसान के तौर पर उनकी इज्जत करता हूं। मैं और मेरी पत्नी उनसे मिल चुके हैं। वह पर्सनल लेवल पर बहुत अच्छे, दयालु, प्यार करने वाले और ख्याल रखने वाले रहे हैं। बेशक, वह एक अच्छे वक्ता और मेहनती हैं और हमारी आपस में अच्छी बनती है। हमारे बीच कोई पर्सनल दिक्कत नहीं है। एक गुजराती नेता, दोस्त या शुभचिंतक के तौर पर मिस्टर मोदी के खिलाफ मुझे कुछ नहीं है। वह मेरे साथ बहुत अच्छे रहे हैं और मैं इसकी तारीफ करता हूं। इसी तरह, मैं कई बार गुजरात में उनके घर गया हूं। पित्रोदा के बयान पर पीएम मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, ''सैम भाई और अंजना बेन को दिवाली और नूतन वर्ष अभिनंदन की शुभकामनाएं। आने वाले साल के लिए खुशी और सेहतमंद रहने की प्रार्थना करता हूं। जय जगन्नाथ!'' बता दें कि सैम पित्रोदा की गिनती यूं तो गांधी परिवार के करीबी नेताओं में होती है। वे राजीव गांधी से लेकर राहुल गांधी तक के करीबी माने जाते रहे हैं। लेकिन उनके बयानों से अक्सर विवाद होता रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पित्रोदा के बयान पर बवाल हो गया था, जिसके बाद उन्हें ओवरसीज कांग्रेस के पद से हाथ धोना पड़ा था। हालांकि, चुनाव खत्म होने के कुछ समय बाद वापस यह पद दे दिया गया। सैम पित्रोदा ने मई, 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने भारत के अलग-अलग इलाकों की तुलना विदेशी लोगों से करते हुए विवादित बातें कहीं थी।

डेमोक्रेटिक के दिग्गज सांसदों ने ईरान युद्ध को खत्म करने का बनाया दबाव

वाशिंगटन। कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े सैन्य दिग्गज सांसदों और हाल ही में निर्वाचित उनके सहयोगियों ने ईरान युद्ध को खत्म करने की मांग की है। वहीं उनकी पार्टी ने वेटरन्स डे के अवसर पर सैन्य कर्मियों के लिए ज्यादा मजबूत सुरक्षा उपायों और पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य सेवा लाभों तक व्यापक पहुंच की वकालत की है। पेंसिल्वेनिया से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि और इराक युद्ध के पूर्व सैनिक क्रिस डेलूजियो ने युद्ध खत्म करने और पूर्व सैनिकों के साथ खड़े होने की अपील के तहत संयुक्त बयान की घोषणा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन और पार्टी की वेटरन्स एंड मिलिट्री फैमिलीज काउंसिल के सह-अध्यक्ष ऑटो ली और मार्ज हॉफा ने कहा कि सैन्य सेवा का सम्मान करने का अर्थ उन फैसलों की समीक्षा करना है, जो सैनिकों को खतरे में डालते हैं। उन्होंने संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के साथ-साथ जीवनयापन की लागत कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने और सैन्य परिवारों की सुरक्षा मजबूत करने का संकल्प लिया। सीनेटर टैमी डकवर्थ ने कांग्रेस से ईरान युद्ध के दौरान विषैले पदार्थों के संपर्क में आए पूर्व सैनिकों के लिए सुरक्षा प्रावधानों का विस्तार करने वाला कानून पारित करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सांसद टैमी डकवर्थ ने कहा कि उनका प्रस्तावित न्यू पैक्ट फॉर ईरान वेटरन्स एक्ट उन कमियों को दूर करेगा, जिनकी वजह से युद्ध से लौटे सैन्यकर्मियों को स्वास्थ्य सेवाएं और लाभ पाने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। उनके कार्यालय के मुताबिक यह प्रस्ताव ईरान में सेवा देने वाले सैनिकों, जिनमें उसके वायुक्षेत्र और क्षेत्रीय जलक्षेत्र में तैनात कर्मी भी शामिल हैं, के लिए विषैले पदार्थों के संपर्क में आने की कानूनी मान्यता स्थापित करेगा। डकवर्थ ने कहा कि किसी भी सैनिक को विदेश में युद्ध लड़ने के बाद घर लौटकर उस देखभाल और सुविधाओं के लिए दूसरी लड़ाई नहीं लड़नी चाहिए, जिसके वे अपनी सेवा के आधार पर हकदार हैं।

वॉर मेमोरियल में फोटो खिंचवा रहे थे अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ

हंसते ही सिक्योरिटी गार्ड ने लगा दी फटकार...पत्नी भी थी साथ, वीडियो वायरल

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ चर्चा में बने हुए हैं। महाभियोग से बचने के बाद अब वो एक नए विवाद में फंस गए हैं। दरअसल हेगसेथ अपने स्टाफ के साथ वेटरन्स डे समारोह पर वर्जीनिया स्थित आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री पहुंचे थे। यहां उन्हें एक सिक्योरिटी गार्ड ने फटकार लगा दी। आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री का एक वीडियो सामने आया है जिसमें पीट हेगसेथ टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर के सामने सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार तमी राडाबाग भी नजर आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तस्वीर खिंचवाने के बाद जैसे ही ये ग्रुप आगे बढ़ा, वहां किसी की जोर से हंसने की आवाज सुनाई दी। इसी दौरान मकबरे पर सुरक्षा में तैनात एक सैनिक ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के सलाहकारों और स्टाफ के ग्रुप को फटकार लगा दी। सैनिक ने सख्त लहजे में कहा कि सभी टूरिस्ट हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखेंगे। इस मामले पर पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता सीन पार्नेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर दिन को मनाते समय, एक सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को मर्यादा बनाए रखने की याद दिलाई।

रक्षा मंत्री और पूरे विभाग ने अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए हमारे सैन्य पुरुषों और महिलाओं के दिए गए बलिदानों का हमेशा सम्मान किया है और हमेशा करते रहेंगे। बता दें यह मकबरा अमेरिका के सबसे पवित्र युद्ध स्मारकों में से एक है, जहां प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध के अज्ञात सैनिकों के अवशेष हैं। साल 1948 से सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान हर मौसम में चौबीसों घंटे इसकी पहरेदारी करते हैं। वेटरन्स डे के कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी शामिल हुए थे। एक दिन पहले ही हेगसेथ अमरीकी कांग्रेस में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव से बाल-बाल बचे थे।

जेन्सेन हुआंग विवाद में आया नया मोड़, एलिस हुआंग के 'सीक्रेट पति' का चला पता

कांग वेई चीन का एक बड़ा बिजनेस टाइकून है, इस साल शंघाई पुलिस ने उसे पकड़ा था

न्यूयार्क। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग से जुड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। चीनी जासूस मानी जा रही एलिस हुआंग के साथ अफेयर की बात कबूलने के बाद दुनिया भर के टेक सेक्टर में हड़कंप मच गया है। अब इस मामले में एक नया ट्विस्ट सामने आया है। एलिस हुआंग का एक 'सीक्रेट पति' भी निकल आया है, जिसका नाम कांग वेई है। अब पूरी दुनिया यह जानना चाहती है कि आखिर जिसने एनवीडिया सीईओ को फंसाया, उसकी सीक्रेट पति आखिर कौन है? कांग वेई चीन का एक बड़ा बिजनेस टाइकून और फंड मैनेजर है, जो इसी साल की शुरुआत में शंघाई पुलिस ने हिरासत में लिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग वेई साल 2010 से ही एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग को जानता था और आरोप हैं कि उसने अपनी पत्नी एलिस को जेन्सेन से मिलवाया था। 1970 के दशक में जन्मे कांग वेई को एक समय चीन के म्यूचुअल फंड सेक्टर का चमकता सितारा माना जाता था उसने महज 32 साल की उम्र में 'झोंगहाई फंड' की कमान संभाली और चीन में किसी फंड कंपनी चलाने करने वाले सबसे युवा चीफ बने। इसके बाद उसने शंघाई में 'हेक्सी इन्वेस्टमेंट' नाम से एक बड़ी प्राइवेट इक्विटी फर्म बनाई, लेकिन कांग वेई का सुनहरा करियर बहुत तेजी से ढलान की ओर चला गया। उस पर स्टॉक हेरफेर और इनसाइडर ट्रेडिंग के गंभीर आरोप लगे। शंघाई पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और चीन के सिक्योरिटीज रेगुलेटर ने कांग की कंपनी पर नियमों के उल्लंघन और इनसाइडर ट्रेडिंग के लिए लाखों डॉलर का जुर्माना लगाया।

मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डे ने भीमताल कार्निवाल की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक, 14 व 15 नवम्बर को होगा भव्य आयोजन



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डे ने भीमताल कार्निवाल योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में 14 व 15 नवम्बर को भीमताल में आयोजित होने वाले कार्निवाल कार्यक्रम को लेकर नगर पालिका, पर्यटन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ कार्य योजना की विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

कार्निवाल प्रतिष्ठित कार्यक्रम है, कोई कमी न रहे – मुख्य विकास अधिकारी

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डे ने कहा कि भीमताल कार्निवाल एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है, जो न केवल भीमताल बल्कि पूरे जनपद नैनीताल की पहचान से जुड़ा है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इसलिए सभी विभाग अपनी-अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लें।उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि समस्त विभागअपनी-अपनी कार्य योजना तैयार कर अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपादित किया जा सके। बैठक में हुई मुख्य चर्चा मे नगर पालिका भीमताल द्वारा कार्निवाल स्थल एवं भीमताल नगर क्षेत्र में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग एवं सौंदर्यीकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने व पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों के लिए सूचना केंद्र, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, होम-स्टे एवं होटलों की व्यवस्था का समन्वय करे पुलिस एवं यातायात द्वारा भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, पार्किंग एवं सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता प्लान तैयार करे।स्वास्थ्य एवं विद्युत विभाग द्वारा कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा टीम, एम्बुलेंस, पेयजल एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई कुमाऊंनी लोक संस्कृति, झोड़ा-छपेली, लोक नृत्य, लोक गायन एवं स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने की कार्य योजना तैयार की गई स्थानीय जनप्रतिनिधियों स्थानीय लोगों, व्यापारियों, होटल व्यवसायियों एवं स्वयं सहायता समूहों को कार्यक्रम से जोड़ने पर चर्चा की गई, ताकि स्थानीय लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिल सके।

विकासखण्ड हल्द्वानी में किसान दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन

किसानों को मिली केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी उयोजनाओं की जानकारी



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त दिशा-निर्देशों के क्रम में जनपद अन्तर्गत विकासखण्ड हल्द्वानी में किसान दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम को विकासखण्ड हल्द्वानी मुख्यालय पर ब्लॉक सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी, अरविंद कुमार पांडे द्वारा की गई। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में किसानों, महिला किसानों, प्रगतिशील किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सुसज्जित स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से किसानों को राज्य,केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई

कृषि विभाग द्वारा किसान फार्मर रजिस्ट्री डिजिटल समावेश, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, उन्नत बीज, जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, गैर ऋणी द्वारा फसल बीमा लेने के लिए योजना, एवं कृषि यंत्रीकरण की जानकारी उद्यान विभाग द्वारा फल, सब्जी, पुष्प उत्पादन, उद्यानिकी योजनाएं, सब्सिडी एवं नर्सरी की जानकारी पशुपालन विभाग द्वारा पशु चिकित्सा, टीकाकरण, नस्ल सुधार, डेयरी विकास एवं पशुधन बीमा योजना। मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन, तालाब निर्माण, मत्स्य बीज एवं अनुदान योजनाएं। रेशम विभाग द्वारा रेशम कीट पालन, शहतूत पौध रोपण एवं रेशम उद्योग से आय की जानकारी। दुग्ध एवं डेयरी विकास द्वारा दुग्ध समिति गठन, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं डेयरी ऋण योजनाएं।जिला ग्राम्य विकास अभिकरण द्वारा आजीविका, मनरेगा, स्वयं सहायता समूह एवं गरीबी उन्मूलन योजनाएं सहकारिता विभाग साधन सहकारी समितियों के माध्यम से खाद, बीज, ऋण एवं भंडारण की सुविधा विद्युत, उरेडा, सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग सोलर पंप, सिंचाई सुविधा, विद्युत कनेक्शन एवं जल संरक्षण की जानकारी। लीड बैंक एवं IFFCO किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि ऋण, खाद, उर्वरक एवं फसल प्रबंधन की जानकारी सभी विभागीय अधिकारियों ने स्टॉल पर उपस्थित रहकर किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और योजनाओं के पर्चे, बुकलेट भी वितरित किए।

मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे ने किसानों की समस्याएं सुनीं, मौके पर दिए निर्देश

कार्यक्रम के दौरान कुंवरपुर गोलापार के किसानों द्वारा कृषि निवेश केंद्र कुंवरपुर में समय पूर्व बीज, खाद, छोटे यंत्र, स्प्रे पंप, आदि की व्यवस्थाओं को शीघ्र ठीक करने का अनुरोध किया गया जिस पर मुख्य अधिकारी ने प्रभारी कृषि निवेश केंद्र को दूरभाष पर वार्ता कर उक्त समस्याओं का समाधान किया गया जिस पर किसानों द्वारा कृतज्ञता प्रकट की गई इसी प्रकार अन्य किसानों द्वारा भी अपनी प्रमुख समस्याओं मे जैसे खाद-बीज की उपलब्धता, सिंचाई, वन्य जीवों से फसल सुरक्षा, जंगली जानवर, मंडी व्यवस्था, ऋण एवं बीमा आदि के संबंध में अपनी बात रखी।

15 नवंबर को कालाढूंगी में होगा नारी शक्ति सम्मान सम्मेलन, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सांसद बांसुरी स्वराज करेंगी शिरकत

हल्द्वानी। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 15 नवंबर को कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के कालाढूंगी राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में नारी शक्ति सम्मान सम्मेलन में पहुंच रहे हैं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश तिवारी के अनुसार मुख्यमंत्री कालाढूंगी में नारी शक्ति सम्मान सम्मेलन को संबोधित करेंगे उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रहेगी क्योंकि यह कार्यक्रम प्रदेश के लगभग सभी विधानसभा क्षेत्र में हो चुका है लेकिन कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में नहीं हो पाया था इसलिए 27 वे राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर उक्त कार्यक्रम को आयोजित किया जा रहा है इस कार्यक्रम में महिलाओं का सम्मान भी किया जाएगा

उक्त कार्यक्रम में प्रदेश की सह प्रभारी व दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज भी उक्त कार्यक्रम में शामिल होंगी

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुरेश तिवारी ने सभी महिलाओं से निवेदन किया है की अधिक से अधिक संख्या में उक्त कार्यक्रम में पहुंच कर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय पुष्कर सिंह धामी जी के विचारों को सुने

मोटाहल्दू में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, उत्तराखंड स्वीट्स से मिठाई का नमूना लिया

लालकुआं/मोटाहल्दू। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुरुवार को मोटाहल्दू क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी नंदकिशोर के नेतृत्व में टीम ने उत्तराखंड स्वीट्स नामक मिठाई की दुकान से मिठाई का नमूना लिया। विभागीय टीम ने दुकान से लिए गए नमूने को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के मिठाई एवं खाद्य पदार्थ विक्रेताओं में हलचल देखने को मिली। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।



डी.एलसी. पत्र के उपयोग एंव पेंशन सम्बन्धी समस्याओं के समाधान हेतु 17 नवम्बर, 2026 को कार्यशाला का आयोजन

नैनीताल। राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवित प्रमाण (डी.एल.सी.) पत्र अभियान-5 के तहत पेंशनरों की सुविधा के लिए डी.एल.सी. के उपयोग को सुनिश्चित् करने तथा पेंशन सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण हेतु कोषागार, नैनीताल द्वारा 17 नवम्बर, 2026 को कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कोषाधिकारी सुश्री कमलेश भण्डारी ने कोषागार नैनीताल से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनरों को सूचित करते हुए कहा कि जिन पेंशनरों को डी.एल.सी. पत्र जमा करने में तकनीकी समस्या आ रही है अथवा पेंशन से सम्बन्धित अन्य किसी प्रकार की समस्या है, उससे सम्बन्धित पेंशन कार्यशाला का आयोजन कोषागार नैनीताल द्वारा 17 नवम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे से जिला कार्यालय सभागार नैनीताल में किया जा रहा है। नियत तिथि को उपस्थित होकर पेंशनर एवम् पारिवारिक पेंशनर अपनी समस्या का आसानी से समाधान करा सकते हैं।

राष्ट्रीय स्तरीय सरस मेला की तैयारियों को लेकर विकास खंड कार्यालय हल्द्वानी में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

- 24 नवंबर से 3 दिसंबर तक होगा सरस मेले का आयोजन
- सरस मेले में 250 स्टालों का होगा पर्दापण
- कार्यक्रम में विभागीय स्टॉल भी रहेंगे मौजूद
- मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे ने दिए समयबद्ध तैयारियों के निर्देश



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। नैनीताल के एम.बी. इंटर कॉलेज मैदान, हल्द्वानी में प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तरीय सरस मेला 2026-27 के सफल आयोजन हेतु गुरुवार को विकास खंड सभागार हल्द्वानी, में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय ने की।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में मेले के आयोजन से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे ने कहां की मेले में कंट्रोल रूम बनाना सुनिश्चित करें जिसमे विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान, पुलिस, फायर, वन विभाग सहित महत्वपूर्ण विभागों को विशेष रूप से तैनात करना सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सभी सांसद, विधायकगण अतिथियों हेतु आमंत्रण पत्र ई कार्ड समयपूर्व भेजना सुनिश्चित करें ताकि तय समय सीमा के अंतर्गत कार्यक्रम को सुचारु किया जा सके उन्होंने कहा कि 18 नवम्बर तक सरस मेले की सभी प्रकार की बुकिंग प्रक्रिया पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने, आमंत्रण पत्र को सभी व्हाट्सएप नंबर पर ससमय पर भेजने के निर्देश दिए इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल मैदान का मैप बनाकर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरस मेला जनपद का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन है, इसमें देशभर से स्वयं सहायता समूहों के प्रतिभागी व बड़ी संख्या में आमजन आएंगे, इसलिए सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ और सुव्यवस्थित होनी चाहिए ताकि मेले में किसी भी प्रकार से कोई भी व्यवधान ना आने पाए और मेले का आयोजन सरलता पूरक पूर्ण किया जा सके।बैठक में उन्होंने पुलिस व परिवहन विभाग सुरक्षा व पार्किंग हेतु कार्ययोजना तैयार करने स्वास्थ्य विभाग को मेला स्थल पर चिकित्सा शिविर व एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराने ।जल संस्थान व विद्युत विभाग को पेयजल व विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने । नगर निगम हल्द्वानी को साफ-सफाई व कचरा प्रबंधन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने। पर्यटन व संस्कृति विभाग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कराने के निर्देश दिए सरस मेले का व्यापक प्रचार प्रसार व मीडिया सेल हेतु जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा की मेले की तैयारीयों की नियमित समीक्षा की जाएगी और सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों को निर्धारित समय में पूर्ण करना अनिवार्य होगा ताकि मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सके

बैठक में परियोजना निदेशक शिल्पी पन्त, सहायक परियोजना अधिकारी चंद्रा फत्याल जिला विकास अधिकारी संतोष पन्त अधिशासी अभियंता विद्युत परीक्षण खंड हल्द्वानी प्रदीप बिष्ट।अधिशासी अभियंता जल संस्थान रवि शंकर लोसाली, मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी जिला अर्थ संख्या अधिकारी मुकेश नेगी जिला उद्यान अधिकारी प्रेमा राणा महाप्रबंधक जिला उद्योग पल्लवी गुप्ता जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति आर्य, सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

SAANS अभियान के प्रभावी संचालन को लेकर सीएमओ ने की वर्चुअल बैठक, निमोनिया की रोकथाम एवं उपचार के लिए दिए निर्देश



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। जनपद में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को निमोनिया से बचाव, बीमारी की शीघ्र पहचान एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से SAANS अभियान 2026-27 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि पंत की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, प्रमुख एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों तथा प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं द्वारा अपने क्षेत्रों में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का गृह भ्रमण कर निमोनिया के लक्षणों की स्क्रीनिंग की जाए। खांसी, बुखार एवं सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पाए जाने पर बच्चों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य इकाई में संदर्भित किया जाए।

उन्होंने सभी स्वास्थ्य इकाइयों में निमोनिया के उपचार हेतु आवश्यक दवाइयों, ऑक्सीजन, पल्स ऑक्सीमीटर एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गंभीर बच्चों को बिना विलंब उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करने तथा रेफरल से पूर्व आवश्यक प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

डॉ. पंत ने नियमित टीकाकरण के अंतर्गत बच्चों को PCV की निर्धारित तीनों खुराक समय से लगाने, आशा एवं एएनएम का आवश्यक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं ग्राम स्तर पर जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही माताओं को स्तनपान, उचित पोषण, स्वच्छता एवं निमोनिया के लक्षणों की जानकारी देने को कहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में 15 नवंबर से न्यूबॉर्न वीक का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल, शीघ्र स्तनपान, छह माह तक केवल स्तनपान, नवजात शिशुओं में खतरे के लक्षणों की पहचान एवं समय पर उपचार के प्रति स्वास्थ्य कर्मियों और अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष तक के बच्चों को सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों एवं चिकित्सालयों में निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों के बीमार होने पर नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराएं तथा इस सुविधा का लाभ उठाएं।

उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग, बच्चों की स्क्रीनिंग, उपचार एवं रेफरल संबंधी आंकड़ों की समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि 'Pneumonia Nahi, Toh Bachpan Sahi' अभियान को जनपद में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में निमोनिया से होने वाली मृत्यु को कम करने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने दिवंगत पूर्व विधायक नारायण सिंह जन्तवाल को दी श्रद्धांजलि, परिजनों से मिलकर जताया शोक



के.के.पी संवाददाता

भीमताल। नेता प्रतिपक्ष उत्तराखंड यशपाल आर्य भीमताल में दिवंगत पूर्व विधायक नारायण सिंह जनतवाल उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व अध्यक्ष के आवास में शोक संवेदना व्यक्त कर परिवारजनों से मुलाकात की। यशपाल आर्य ने कहा कि जब उस दौरान जब में विधानसभा अध्यक्ष हुआ करता था, पूर्व विधायक जन्तवाल बड़ी शालीनता व पूरे तैयारी के साथ विधानसभा में अपनी बात रखते थे । जिसे हमारे उत्तराखंड के चुने हुए सभी विधायक सुनते थे। आज ऐसे नेता जिनकी उत्तराखंड को आवश्यकता है ,चला जाना बड़ा दुखत है।इससे पूर्व रानी बाग में संजय साह के पिताजी निधन के बाद आज उनके आवास में जाकर शोक संवेदन व्यक्त की और परिवारजनों से मुलाकात की इस अवसर पर डॉ गणेश उपाध्याय महामंत्री उत्तराखंड कांग्रेस, डॉक्टर केदार पलाडिया, इंदर आर्य, नैनीताल की नगरपालिका अध्यक्ष सरस्वती खेतवाल कांग्रेस नैनीताल की महिला अध्यक्ष खष्टी बिष्ट ,मुन्नी तिवारी, विपिन सनवाल , भीमताल नगर अध्यक्ष सतीश टम्टा,डीके डालाकोटी सहित दर्जन लोग थे।

शी जिनपिंग की दो टूक- इतिहास की धारा नहीं रोक सकते ताइवान का चीन में विलय होकर रहेगा



बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बार फिर ताइवान के चीन में विलय की बात दोहराई है। गुरुवार को बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ताइवान का चीन के साथ पूर्ण पुनर्एकीकरण होना तय है। उन्होंने इसे इतिहास की ऐसी प्रक्रिया बताया जिसे कोई रोक नहीं सकता। इस बार उन्होंने ताइवान को लेकर अपने बयान में बल प्रयोग का कोई जिक्र नहीं किया और शांतिपूर्ण तरीके से पुनर्एकीकरण की बात कही। शी जिनपिंग ने कहा कि मातृभूमि का पूर्ण पुनर्एकीकरण होना ही चाहिए और यह निश्चित रूप से होकर रहेगा। उन्होंने ताइवान के मुद्दे को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का एक अटल ऐतिहासिक मिशन बताया। साथ ही, उन्होंने ताइवान के लोगों से एकजुट होकर ताइवान की आजादी की मांग करने वाली ताकतों का विरोध करने की भी अपील की।

दरअसल, चीन लोकतांत्रिक तरीके से शासित ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और लंबे समय से उसके पुनर्एकीकरण की मांग करता रहा है। चीन ने बार-बार एक देश दो व्यवस्था मॉडल का भी जिक्र किय। हालांकि, ताइवान की किसी भी प्रमुख राजनीतिक पार्टी ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया है। ताइवान की सरकार भी चीन के इस दावे को खारिज करती रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ये बातें चीनी क्रांतिकारी नेता सन यात-सेन की 160वीं जयंती के मौके पर की। सन यात-सेन ने 1911 की क्रांति का नेतृत्व किया था, जिसने सम्राटों और साम्राज्ञियों के सदियों पुराने शासन को समाप्त कर दिया था।

उन्होंने ताइवान के लोगों से ताइवान की आजादी चाहने वाली अलगाववादी ताकतों का विरोध करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को दोनों पक्षों के बीच रिश्तों के शांतिपूर्ण विकास के लिए कोशिश करनी चाहिए।

चुनावी चंदा जुटाने में भारतीय और अमेरिकी नेताओं में रो खन्ना सबसे आगे रहे

कई मौजूदा भारतीय–अमेरिकी सांसदों की स्थिति अलग रही, कुछ पर था कर्ज का बोझ



वाशिंगटन। अमेरिकी संसद में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच चुनावी चंदा जुटाने के मामले में कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सबसे आगे निकलकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। एफईसी के रिकॉर्ड की समीक्षा से पता चला है कि उनके चुनावी अभियान के पास वर्तमान में 1.66 करोड़ डॉलर की नकद राशि है और उन पर कोई कर्ज नहीं है। यह राशि न केवल प्रभावशाली है, बल्कि आठ भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्यों और नवनिर्वाचित सदस्यों में सबसे अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना की यह वित्तीय स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उनके पास मौजूद नकद राशि अन्य सात भारतीय-अमेरिकी सांसदों और नवनिर्वाचित सदस्यों की संयुक्त राशि करीब 1.11 करोड़ डॉलर से भी ज्यादा है। उनके अभियान सूत्रों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक 2026 के चुनावी चक्र के दौरान उन्हें 1.53 करोड़ डॉलर मिले और 95 लाख डॉलर खर्च किए गए। यह दर्शाता है कि उनके अभियान की कुल नकद शेष राशि उनकी कुल प्राप्तियों से भी ज्यादा थी, जो कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रतीक है। वहीं अन्य मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति भी विभिन्न रही। वाशिंगटन से प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने 17.5 लाख डॉलर नकद राशि होने की जानकारी दी और उन पर कोई कर्ज नहीं था। कैलिफोर्निया के एमी बेरा के पास 16.5 लाख डॉलर की नकद राशि थी, लेकिन उन पर 80,000 डॉलर का कर्ज था। वहीं, वर्जीनिया के सुहास सुब्रमण्यम ने करीब 7.46 लाख डॉलर नकद राशि होने की सूचना दी और उन पर भी कर्ज नहीं था। इन सांसदों के अभियानों को चुनावी चक्र के दौरान अच्छी खासी राशि मिली और खर्च भी किया।

नवनिर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सदस्यों के पास चुनाव जीतने से पहले अपेक्षाकृत कम नकद भंडार था, जो उनकी शुरूआती अवस्था को दर्शाता है। एरिजोना के प्रथम कांग्रेसनल जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली को हराने वाले अमीश शाह ने 14 अक्टूबर तक 57 लाख डॉलर की प्राप्ति और 55 लाख डॉलर के खर्च की सूचना दी। उनके पास करीब 2.06 लाख डॉलर शेष थे और करीब 37,000 डॉलर का कर्ज था। फ्लोरिडा के 22वें जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी असकर को पराजित करने वाली पिया दांडिया के अभियान के पास करीब 7.35 लाख डॉलर नकद राशि थी और 2.47 लाख डॉलर का कर्ज था। उनके प्रतिद्वंद्वी असकर ने स्वयं के ऋण समेत 74 लाख डॉलर प्राप्त किए, लेकिन उनके अभियान पर 62.9 लाख डॉलर का बड़ा कर्ज बना रहा।

कुछ अन्य भारतीय-अमेरिकी सांसदों के चुनावी वित्त की स्थिति जटिल रही। थानेदार के पास 30 सितंबर तक 59 लाख डॉलर की नकद राशि थी, जो दूसरी सबसे बड़ी राशि थी, लेकिन उनके अभियान पर 1.444 करोड़ डॉलर का भारी कर्ज भी था, जो उनकी नकद राशि से काफी ज्यादा है। राजा कृष्णमूर्ति के हाउस अभियान खाते में 30 सितंबर तक करीब 47,000 डॉलर और सीनेट अभियान खाते में करीब 33,000 डॉलर मौजूद थे। उनके सीनेट अभियान ने 3.16 करोड़ डॉलर हासिल किए, जिसमें अन्य अधिकृत समितियों से प्राप्त 1.94 करोड़ डॉलर के ट्रांसफर भी शामिल थे। चुनावी फंड जुटाने की तुलना करते समय ऐसे ट्रांसफर को ध्यान में रखना अहम होता है ताकि एक ही धनराशि की दोहरी गणना से बचा जा सके। कुल मिलाकर भारतीय-अमेरिकी राजनेताओं के बीच चुनावी चंदा जुटाने का परिदृश्य रो खन्ना की प्रभावशाली बढ़त और अन्य के लिए अलग-अलग वित्तीय चुनौतियों को दर्शाता है।

'7 करोड़ दो वरना मार देंगे...', लॉरेंस गैंग के नाम पर किसने दी अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी?



नई दिल्लीः दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को लॉरेंस गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया था. पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि ये धमकी उनको लॉरेंस गैंग ने नहीं दी. पुलिस की प्राथमिक जांच के मुताबिक, कॉल पर धमकी देने वाला हरियाणा का कोई शख्स था, जिसने केजरीवाल को लॉरेंस गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी देते हुए 7 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी. वहीं आम आदमी पार्टी अब बीजेपी पर आरोप लगा रही है.

आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल को कॉल करने वाला शख्स बीजेपी नेताओं का करीबी है. बीजेपी पंजाब को बदनाम करने के लिए ये सब हरकतें कर रही है. बता दें कि अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी मिलने की जानकारी दिल्ली के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने दी थी. उन्होंने दिल्ली पुलिस को बताया था कि उन्हें एक व्यक्ति का फोन कॉल और व्हाट्सएप मैसेज आया था, जिसने खुद को विदेश से जुड़े इस गैंग का सदस्य बताया था. जरनैल सिंह ने 6 नवंबर को पंजाब के मोहाली में पुलिस को दी गई शिकायत में बताया था कि फोन करने वाले ने 7 करोड़ रुपये मांगे और धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए, तो वह केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता केजरीवाल को मार देगा. मोहाली पुलिस ने BNS और IT एक्ट के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच साइबर क्राइम यूनिट के अधिकारी सुनील कुमार को सौंपी थी. जांचकर्ताओं ने बताया कि वे उस मोबाइल नंबर से जुड़े कॉल रिकॉर्ड, इंटरनेट प्रोटोकॉल लॉग और लोकेशन डेटा की जांच कर रहे हैं, जिसका इस्तेमाल धमकी देने के लिए किया गया था. इसके साथ ही जनरैल सिंह ने केजरीवाल और उनके परिवार के लिए पर्याप्त सुरक्षा की भी मांग की. उन्होंने कहा कि पंजाब में उनकी पार्टी सत्ता में है, जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में सरकार चल रही है, और कुछ ही महीनों में वहां विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं. अब पुलिस जांच में पता चला है कि केजरीवाल को दी गई धमकी झूठी थी. लॉरेंस गैंग की तरफ से ये धमकी नहीं दी गई थी.

किश्तवाड़ में दो SPO की शहादत पर खरगे ने जताया शोक, कहा- 'बहादुर सपूतों को नमन'



नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार से लापता दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के शव मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है. दोनों अधिकारियों के शव गोलियों से छलनी हालत में मिले हैं. अधिकारियों के शहीद होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शोक प्रकट किया है.उन्होंने कहा कि मैं बहादुर सपूतों के बलिदान को नमन करता हूं.

मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने लिखा, ''किश्तवाड़ में दो बहादुर विशेष पुलिस अधिकारियों (SPOs) की दुखद शहादत से गहरा आघात लगा है. यह घटना कुलगाम में CRPF जवानों पर हुए आतंकी हमले के ठीक एक दिन बाद घटी है.''

उन्होंने आगे लिखा, ''मैं हमारे इन बहादुर सपूतों के साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को नमन करता हूं. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं और मैं घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और दृढ़ है. कोई भी आतंकी कृत्य हमारे देश की रक्षा करने अपने लोगों को सुरक्षित रखने और शांति बनाए रखने के हमारे सामूहिक संकल्प को कमजोर नहीं कर सकता.''

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मृतकों की पहचान 57 वर्षीय बाबी चंद और 45 वर्षीय रशपाल कुमार के रूप में हुई है. दोनों स्थानीय पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) में तैनात थे. उनके लापता होने के बाद से ही पुलिस और सेना ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया था.

अभिजीत दीपके को अब किस पर आया गुस्सा, बोले- 'फर्जी डिग्री के साथ...'



नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. उनकी पार्टी फिलहाल आंदोलन से दूर है लेकिन हर मुद्दा सोशल मीडिया के जरिए जरुर उठा रही है. इस बार दीपके ने इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा है कि फर्जी सर्टिफिकेट के साथ कोई इतनी ऊंचे पद पर कैसे रह सकता है.

इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिबरान राकाबुमिंग इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं. उन्होंने फर्जी सर्टिफिकेट के चलते पद से इस्तीफा दे दिया है. इस पर दीपके ने रिएक्ट किया है. दीपके ने बीबीसी की एक रिपोर्ट शेयर की है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक जिबरान ने उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया है. इंडोनिशया की सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जिबरान ने साल 2024 में चुनाव के दौरान फर्जी हाई स्कूल सर्टिफिकेट का इस्तेमाल किया था. 100 से ज्यादा सांसद उनके खिलाफ लामबंद हो गए थे. जिसके बाद राका ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा प्रबोवो सुबियांतो को दे दिया है. हालांकि अभी तक ये साफ नहीं है कि उनका इस्तीफा स्वीकार हुआ है या नहीं.

बता दें सीजेपी ने 7 नवंबर को एसआईआर के खिलाफ केरल में मार्च निकाला था. उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की भी मांग की थी.

मार्च के दौरान दीपके ने कहा, इस तिरंगे को फरहाने के लिए मुझे जेल भेज दिया गया. मेरे दोनों भाईयों सौरव और आशु को भी इसे फहराने के लिए जेल भेजा गया. भारत में ये आखिरी बार तब हुआ था जब हम अंग्रेजों के शासन के अधीन थे.

मस्जिद एसोसिएशन ने मोहन भागवत की जमकर की तारीफ, कहा- 'हम एक नहीं, लेकिन...'



नई दिल्ली। 'साउथ इंडिया दरगाह एंड मस्जिद एसोसिएशन' ने गुरुवार को आरएसएस (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने 1930 के दशक में संघ पर लगने वाले संभावित प्रतिबंध का विरोध करने वाले एक मुस्लिम व्यक्ति के योगदान को याद किया था. RSS चीफ ने उस समय का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि तब सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी. उन्होंने कहा, 'उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था. ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है.

मोहन भागवत के इसी बयान पर एसोसिएशन के सचिव जाफर अली ने उनकी तारीफ की. उन्होंने कहा कि धर्म से ऊपर उठकर किसी व्यक्ति के योगदान को सम्मान देना आपसी सद्भाव और लोकतांत्रिक भावना की एक मजबूत मिसाल है. जाफर अली ने कहा, 'सच का कोई धर्म नहीं होता, इंसानियत की कोई सीमा नहीं होती और देशभक्ति हर भारतीय का अधिकार है. देश का इतिहास सभी धर्मों के लोगों के योगदान से समृद्ध हुआ है. ईसाई और सिख सहित सभी समुदायों की देश के भविष्य में बराबर की हिस्सेदारी है.'

रिपोर्ट के मुताबिक जाफर अली ने कहा, 'समाज में किसी के भी योगदान को उसकी धार्मिक पहचान से नहीं तौला जाना चाहिए. हमारी आस्था भले ही अलग-अलग हो, लेकिन हमारा संविधान एक है, हमारी मातृभूमि एक है और हमारा भविष्य भी एक है. इब्राहिम को मिला यह सम्मान देश में आपसी सम्मान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनेगा. मोहन भागवत ने कहा, 'इब्राहिम का मानना था कि हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र बताने वाले लोग मानसिक रूप से बीमार हैं और उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेजा जाना चाहिए. मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वे मानसिक रूप से बीमार नहीं, बल्कि एक नेक इंसान हैं, लिहाजा संघ कम्युनल नहीं हो सकता.

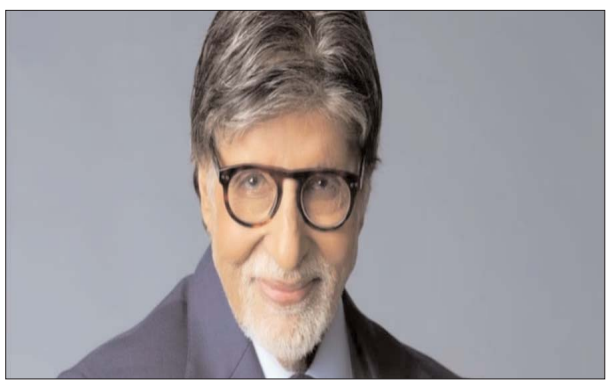
यूपी चुनाव में ओवैसी-चंद्रशेखर के साथ आने से किसे फायदा और किसे नुकसान?



लखनऊ। यूपी के 2027 में होने वाले चुनाव से पहले ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के एक नए गठबंधन सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का ऐलान हो गया है. बता दें कि पहले माना जा रहा था कि मुख्य मुकाबला बीजेपी और सपा के बीच ही है, लेकिन ये गठबंधन भी यूपी चुनाव पर प्रभाव डालेगा. ओवैसी और आजाद दोनों की नजर दलित और मुस्लिम वोटों को एकजुट करने पर है. इस थर्ड फ्रंट में कुछ और छोटी पार्टियां भी शामिल होंगी. कुछ नेताओं को भी शामिल करने के लिए बातचीत जारी है. बता दें कि जानकारी मिल रही है कि ये फ्रंट 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है. दरअसल, ओवैसी की नजर 40 से 45 मुस्लिम बहुत सीटों पर है. इन सीटों पर ओवैसी ने चुनावी अभियान भी तेज कर दिया है. यूपी की 143 सीटों पर मुस्लिम वोटरों का प्रभाव है. चंद्रशेखर दलितों में मजबूत होने की कोशिश कर रहे हैं. बीएसपी की कमजोर होती पकड़ में वह जगह तलाश रहे हैं. दलित वोटर यूपी में 140 सीटों पर प्रभावी हैं, अब दोनों के साथ आने से सामाजिक समीकरण बदलेंगे. सवाल ये हैं दोनों नेताओं के साथ आने से किसका नुकसान होगा. मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण करें और समझने की कोशिश करें कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के साथ आने से किस राजनीतिक दल या नेता को फायदा होगा और किसे नुकसान हो सकता है. पिछले विधानसभा चुनाव के आंकड़ों पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश की 58 ऐसी विधानसभा सीटें हैं, जहां बीजेपी उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे और उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

इन 58 सीटों पर मुस्लिम, दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं. इन सीटों में सिराथू विधानसभा सीट भी शामिल है, जहां डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हार का सामना करना पड़ा था. यहां पल्लवी पटेल ने 7,337 वोटों से जीत दर्ज की थी. समाजवादी पार्टी के विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की इटवा विधानसभा सीट भी इस सूची में शामिल है, यहां बीजेपी उम्मीदवार 1,662 वोटों से हार गए थे. चांदपुर, रामनगर, इसौली, दिबियापुर और डुमरियागंज जैसी सीटों पर बीजेपी उम्मीदवार महज 234 से 771 वोटों के अंतर से चुनाव हार गए थे. ये 58 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां ओवैसी और चंद्रशेखर के संभावित गठबंधन का सीधा असर देखने को मिल सकता है. अगर इन सीटों पर तीसरे मोर्चे के उम्मीदवार को 5,000 या उससे कुछ ज्यादा वोट मिल जाते हैं, तो चुनावी नतीजों का समीकरण बदल सकता है.

मुंबई में बम की धमकी से हड़कंप... अमिताभ बच्चन का बंगला, मेयर ऑफिस और एयरपोर्ट निशाने पर



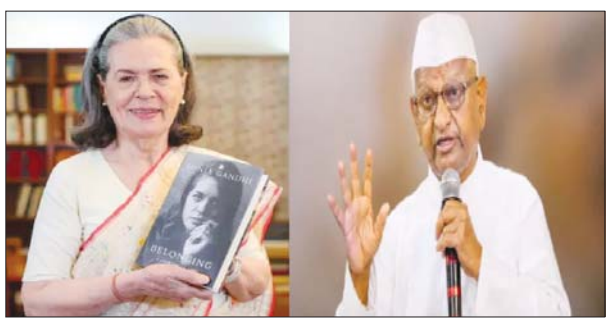
मुंबईः मुंबई में एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल आने के बाद हड़कंप मच गया है. इस ईमेल में मुंबई की कई प्रमुख जगहों को उड़ाने की धमकी दी गई है. ईमेल में खास तौर पर अमिताभ बच्चन का बंगला, मेयर ऑफिस और एयरपोर्ट का जिक्र है. इस धमकी भरे ईमेल में मेयर ऑफिस का खास तौर पर जिक्र होने के बाद सुरक्षा सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है. इस धमकी भरे ईमेल में कई प्रमुख जगहों के नाम हैं, जिनमें मेयर ऑफिस, मुंबई का एक बैंक, कोर्ट, अमिताभ बच्चन का बंगला, महालक्ष्मी रेसकोर्स और छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं. धमकी भरा ईमेल आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं. जिन जगहों का नाम इस ईमेल में लिखा है, वहां अच्छी तरह से जांच की जा रही है. सुरक्षा टीमों और बॉम्ब स्क्वॉड की टीमों ने बताई गई जगहों की अच्छी तरह से जांच की, लेकिन जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है.

NCP के मर्जर का क्या होगा असर? पवार 'सुप्रीम बॉस', सुप्रिया को ताकत...मगर सुनेत्रा-पार्थ को होगी असली दिक्कत



मुंबईः अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति और NCP का पूरा समीकरण बदल चुका है. जिस NCP को अजित पवार ने शरद पवार से बगावत करके अपने नियंत्रण में लिया था, अब उनके बिना उस पार्टी का विलय पुनर्मिलन कम और शरद पवार द्वारा अपनी खोई हुई विरासत का टेकओवर ज्यादा लगता है. अगर NCP के दोनों गुटों का विलय होता है और एकजुट NCP, NDA का हिस्सा बनती है, तो पवार परिवार के भीतर किसका भाग्य चमकेगा और कौन हाशिए पर जाएगा, यह समझना सबसे अहम है. अजित पवार एक जननेता और कुशल प्रशासक थे. उनके बिना उनके परिवार सुनेत्रा, पार्थ, जय के पास संगठन पर वह पकड़ नहीं है, जो अजित पवार की हुआ करती थी. अजित पवार की मौत के बाद, विलय का सीधा मतलब है शायद पवार परिवार से सिर्फ सुप्रिया सुले का कद चमकना. BJP भी यह जानती है कि अजित पवार के बिना उनके गुट के पास वोटबैंक खींचने वाला कोई बड़ा जमीनी चेहरा फिलहाल नहीं है. रोहित पवार कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन अपनी पार्टी के अंदरूनी समीकरणों और सुप्रिया सुले के सामने वह कितना उभर पाएंगे, यह कहना मुश्किल है. ऐसे में उनकी कांग्रेस से करीबी भी बहुत कुछ बयां करती है. सत्ता अपने नेतृत्व में चला रही बीजेपी, चाहती है कि शरद पवार और उनके 8 लोकसभा सांसदों का समर्थन हासिल किया जाए, ताकि संसद में उसकी स्थिति मजबूत हो और कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन कमजोर पड़े. उधर, महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम और ह्रष्टक्क चीफ सुनेत्रा पवार, अपने पति अजित पवार द्वारा स्थापित पार्टी पर से अपना नियंत्रण नहीं छोड़ना चाहतीं. वह जानती हैं कि नियंत्रण छोड़ते ही उनका सियासी कद और पद, शायद सब छिन जाएगा. अजित पवार के वफादार बनकर आए वरिष्ठ साथी भी सुनेत्रा और उनके बेटों से परेशान बताए जाते हैं.

सोनिया गांधी के दावे पर अन्ना हजारे का पलटवार, BJP-RSS के मुद्दे पर बोले- मेरे लिए देश पहले



नई दिल्ली। सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन को लेकर किए दावों से नई बहस शुरू हो गई है. किताब में कहा गया है कि अन्ना हजारे के नेतृत्व वाला भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को BJP और RSS के गुप्त समर्थन प्राप्त था. इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उनका किसी राजनीतिक दल या संगठन से कोई संबंध नहीं है. उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 2014 के लोकसभा चुनाव में UPA सरकार की हार को उनके आंदोलन से कैसे जोड़ा जा सकता है?

महाराष्ट्र के रालेगण सिद्धि में अन्ना हजारे ने कहा कि यह कहना गलत है कि इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन BJP या RSS के समर्थन से चलाया गया था. उन्होंने कहा, 'मेरा BJP या RSS से कोई संबंध नहीं है. मैं उनके कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेता. मेरे लिए देश सबसे पहले है.' हजारे ने यह भी कहा कि उन्होंने जो भी आंदोलन किए, वे समाज और देश के हित में किए. उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं रहा है. अन्ना ने राजनीतिक दलों से अपनी आलोचना करने के बजाय देश और समाज के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की अपील की. उन्होंने पेड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस पेड़ पर फल लगते हैं, लोग उसी पर पत्थर मारते हैं.

अन्ना हजारे ने सवाल उठाते हुए कहा कि 'यह कहने का आधार क्या है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार 2014 का लोकसभा चुनाव मेरे आंदोलन की वजह से हार गई?' उन्होंने कहा कि राजनीतिक घटनाओं और चुनावी नतीजों को केवल एक आंदोलन से जोड़कर देखना उचित नहीं है. अन्ना हजारे ने अपनी पेंशन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें जो पेंशन मिलती है, उसे भी वे सूखे से प्रभावित लोगों की मदद और इस समस्या पर खर्च करना चाहते हैं.

हष्टक्क के मर्जर का क्या होगा असर? पवार 'सुप्रीम बॉस', सुप्रिया को ताकत...मगर सुनेत्रा-पार्थ को होगी असली दिक्कत



मुंबईः अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति और NCP का पूरा समीकरण बदल चुका है. जिस NCP को अजित पवार ने शरद पवार से बगावत करके अपने नियंत्रण में लिया था, अब उनके बिना उस पार्टी का विलय पुनर्मिलन कम और शरद पवार द्वारा अपनी खोई हुई विरासत का टेकओवर ज्यादा लगता है. अगर NCP के दोनों गुटों का विलय होता है और एकजुट NCP, NDA का हिस्सा बनती है, तो पवार परिवार के भीतर किसका भाग्य चमकेगा और कौन हाशिए पर जाएगा, यह समझना सबसे अहम है. अजित पवार एक जननेता और कुशल प्रशासक थे. उनके बिना उनके परिवार सुनेत्रा, पार्थ, जय के पास संगठन पर वह पकड़ नहीं है, जो अजित पवार की हुआ करती थी. अजित पवार की मौत के बाद, विलय का सीधा मतलब है शायद पवार परिवार से सिर्फ सुप्रिया सुले का कद चमकना.

BJP भी यह जानती है कि अजित पवार के बिना उनके गुट के पास वोटबैंक खींचने वाला कोई बड़ा जमीनी चेहरा फिलहाल नहीं है. रोहित पवार कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन अपनी पार्टी के अंदरूनी समीकरणों और सुप्रिया सुले के सामने वह कितना उभर पाएंगे, यह कहना मुश्किल है. ऐसे में उनकी कांग्रेस से करीबी भी बहुत कुछ बयां करती है. सत्ता अपने नेतृत्व में चला रही बीजेपी, चाहती है कि शरद पवार और उनके 8 लोकसभा सांसदों का समर्थन हासिल किया जाए, ताकि संसद में उसकी स्थिति मजबूत हो और कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन कमजोर पड़े.

उधर, महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम और ह्रष्टक्क चीफ सुनेत्रा पवार, अपने पति अजित पवार द्वारा स्थापित पार्टी पर से अपना नियंत्रण नहीं छोड़ना चाहतीं. वह जानती हैं कि नियंत्रण छोड़ते ही उनका सियासी कद और पद, शायद सब छिन जाएगा. अजित पवार के वफादार बनकर आए वरिष्ठ साथी भी सुनेत्रा और उनके बेटों से परेशान बताए जाते हैं. यही वजह है कि सुनेत्रा और उनके बेटे पार्थ पवार, विलय के सख्त खिलाफ हैं और अपना रुतबा बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं. हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ NCP के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई, जिसमें विलय को लेकर चर्चा हुई.

पीएम मोदी ने किसानों को दिया खेती में विविधता और निर्यात बढ़ाने का संदेश, कहा- कृषि को बनाना होगा लाभकारी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'किसान तक भारत कृषि सम्मेलन 2026' को संबोधित करते हुए कृषि क्षेत्र को आधुनिक, आत्मनिर्भर और लाभकारी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में किसानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। खेती को नई तकनीक, नवाचार और बाजार से जोड़कर किसानों की समृद्धि के रास्ते खोलने होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशक में भारत की कृषि विकास दर 4 प्रतिशत से अधिक रही है। देश हर साल 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कृषि निर्यात कर रहा है। उन्होंने किसानों से गेहूं, चावल और गन्ने जैसी पारंपरिक फसलों पर निर्भरता कम कर खेती में विविधता लाने की अपील की। उनके मुताबिक, दूध उत्पादन में करीब 70 प्रतिशत और अंडा उत्पादन में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मछली उत्पादन दोगुने से अधिक हो गया है।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066
सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616